कोटद्वार, मंगलवार
18 जून 2024
वर्ष: 46
अंक: 56 पृष्ठ: 4
मूल्य: 2.00
RNI No.UTTHIN/2005/16338

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979
संस्थापक : स्व. नरेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोन: 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

एक नजर

18 जून को निर्जला एकादशी पर सात साल बाद बन रहा खास संयोग

देहरादून। निर्जला एकादशी पर इस बार बेहद खास संयोग बन रहा है। श्रद्धालु इस बार स्वाति नक्षत्र में निर्जला एकादशी का व्रत करेंगे। इससे व्रत फलदायी होगा। सात साल बाद इस बार पंच योग और स्वाति नक्षत्र में लोग निर्जला व्रत रखेंगे। निर्जला एकादशी का व्रत मंगलवार को रखा जाएगा। ज्योतिषाचार्य डॉ.सुशांतराज ने बताया कि ज्येष्ठ माह के शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि की शुरुआत सोमवार सुबह 04 बजकर 43 मिनट से हो गई है। मंगलवार यानी 18 जून की सुबह 06 बजकर 24 मिनट पर इसकी समाप्ति है। ऐसे में उदया तिथि 18 जून को निर्जला एकादशी का उपवास रखा जाना श्रेयस्कर है। हिंदू पंचांगों में अलग–अलग नामों से कुल 24 एकादशी पर लोग व्रत और भगवान विष्णु का पूजन–अर्चना करते हैं। इन 24 एकादशियों में ज्येष्ठ माह के शुक्ल पक्ष की निर्जला एकादशी सबसे श्रेष्ठ मानी जाती है। व्रत के दौरान भगवान विष्णु का ओम नमो भगवते वासुदेवाय का जप करना चाहिए। गौ, वस्त्र, छत्र, फल आदि का दान करें।

सुरक्षाबलों को बड़ी कामयाबी, मुठभेड़ में चार नक्सलियों को मार गिराया

रांची , झारखंड रांची के चाईबासा नक्सल प्रभावित क्षेत्र के गुवा थान अन्तर्ग के लीपुंगा में सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच हुई मुठभेड़ में एक महिला समेत चार भाकपा नक्सली मारा गया है। वह घटना सोमवार सुबह की है। सुरक्षा बलों ने दो नक्सलियों को पकडने़ में भी कामयाबी हासिल करने की सूचना मिल रही है। जिसमें एक एरिया कमांडर और एक महिला नक्सली शामिल है। जबकि मारे गए नक्सलियों में एक जोनल कमांडर, एक एरिया कमांडर और एक सबजोनल कमांडर के अलावा एक महिला नक्सली भी शामिल है। घटना की पुष्टि करते हुए जिले के एसपी आशुतोष शेखर करने बताया है, कि मुठभेड़ में चार मारे गए नक्सली में 10 लाख का इनामी जॉनल कमांडर सिंगराय उर्फ मनोज,5 लाख का इनामी सब्जॉनल कमांडर कांडे होनाहगा, उर्फ हसुन उर्फ कांडे दा, 2 लाख का इनामी एरिया कमांडर सूर्या उर्फ मुंडा देवगम,महिला नक्सली जंगा पूर्ति उर्फ मेरला मारा गया है,जब कि टाइगर उर्फ पांडु हांसदा एवं बातरी देवगम को गिरफ्तार किया गया है।

एसपी आशुतोष शेखर को सूचना मिली थी कि गुवा थाना क्षेत्र में भाकपा माओवादी नक्सलियों का जमावड़ा लगा हुआ है। इसके बाद सीआरपीएफ, झारखंड पुलिस और झारखंड जगुआर की संयुक्त टीम ने सर्च अभियान चलाया। सुरक्षाबलों को देखते ही नक्सलियों ने फायरिंग शुरू कर दी। जिसके बाद सुरक्षाबलों ने भी जवाबी कार्रवाई में फायरिंग शुरू कर दी। दोनों ओर से हुई गोलीबारी में चार नक्सली मारे गये। वहीं बाकी नक्सली घने जंगल का फायदा उठाकर भागने में सफल रहे। हालांकि सुरक्षा बलों ने दो नक्सलियों को पकड़ लिया है।

वंदे भारत ट्रेन को लेकर रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने किया बड़ा ऐलान

नई दिल्ली , त्योहारों से लेकर गर्मियों की छुट्टी तक और शादी–ब्याह के पीक सीजन में भारतीयों को सबसे ज्यादा जिस समस्या का सामना करना पड़ता है, वो है ट्रेनों में यात्रा के लिए कंफर्म टिकट की वेटिंग। भारतीय रेल इसके लिए कई प्रयास लगातार कर रहा है, जिसमें स्पेशल ट्रेन चलाना शामिल है। इसी बीच रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने एक बड़ा ऐलान किया कि मात्र 2 महीने के भीतर देश में ह्यवंदे भारत स्लीपरह्न ट्रेन सेट पटरियों पर दौडने़ लगेंगे।

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने पत्रकारों से एक बातचीत के दौरान कहा कि सरकार ट्रेनों में वेटिंग की समस्या से निपटने के लिए लगातार कोशिश कर रही है। वहीं 60 दिनों के भीतर वंदे भारत स्लीपर पटरियों पर दौडना़ शुरू कर देगी। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि वंदे भारत स्लीपर पटरियों पर दौडने़ के लिए तैयार है। फिलहाल 2 ट्रेन सेट तैयार किए गए हैं।

इन दो ट्रेन पर अगले 6 महीने तक टेस्टिंग होगी। उसके बाद इन ट्रेन्स को आम सेवा के लिए लॉन्च करना शुरू किया जा सकता है। अभी वंदे भारत स्लीपर के लिए 4 कोच का एक बेसिक ट्रेन सेट तैयार किया गया है।

मुख्यमंत्री धामी ने कैंचीधाम में जुटाई रिकॉर्ड भीड़, प्रबंधन से दिया सुगम यात्रा का संदेश

● कैंचीधाम महोत्सव में बाबा के दर्शन को पहली बार जुटे रिकॉर्ड ढ़ाई लाख से ज्यादा श्रद्धालु

जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून : कैंचीधाम में बाबा नीब करौरी के 60वें जन्ममहोत्सव के सफल संचालन से सरकार ने सुगम, सुरक्षित और सुव्यवस्थित यात्रा का संदेश दिया है। महोत्सव में पहली बार रिकॉर्ड ढ़ाई लाख से ज्यादा श्रद्धालुओं के पहुंचने पर सरकार ने ठोस प्रबंधन की नजीर पेश की है। खासकर दर्शन से लेकर श्रद्धालुओं से जुड़ी हर सुविधा और व्यवस्था का देश-दुनिया में देवभूमि के प्रति सुगम यात्रा का संदेश गया है।इस साल बाबा नीब करौरी के जन्ममहोत्सव पर आयोजित कैंचीधाम महोत्सव ने श्रद्धालुओं की दर्शन को जुटी भीड़ से लेकर व्यवस्थाओं ने पिछले सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। खासकर यात्रा में देश-विदेश से जुटने वाली भीड़ को देखते हुए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने खुद व्यवस्थाओं की मॉनिटरिंग की। नतीजन, रिकॉर्ड भीड़ के बावजूद हर श्रद्धालुओं ने बाबा के सुगम दर्शन किए और सुरक्षित यात्रा के साथ वापस लौटे। सरकार ने महोत्सव के दौरान पिछले सालों में हुई अव्यवस्थाओं को देखते हुए इस बार ठोस प्लान तैयार किया था। खुद मुख्यमंत्री धामी ने प्लान की नजदीकी से मॉनिटरिंग की। इसके लिए हल्द्वानी से कैंची धाम तक करीब 45 किमी. हिस्से में अलग-अलग 49 व्यवस्थाओं के लिए 22 मजिस्ट्रेटों को जिम्मेदारी दी थी। जबकि हल्द्वानी बस स्टैंड और रेलवे स्टेशन से कैंची धाम दर्शन को आने जाने वाले श्रद्धालुओं के लिए करीब 460 बसें और टैक्सी की शटल सेवा शुरू की गई थी। इसके लिए किराया भी 100 रुपये प्रति सवारी तय किया गया था। इससे श्रद्धालुओं को किसी भी तरह की असुविधा नहीं हुई। साथ ही हल्द्वानी, भवाली, भीमताल और कैंचीधाम तक 24 स्थानों पर छोटी-बड़ी पार्किंग बनाई गई थी। इन पार्किंग स्थल से कैंचीधाम तक पैदल जाने के लिए सुरक्षित रास्तों से श्रद्धालुओं को आवाजाही कराई गई।

एसडीआरएफ और एनडीआरएफ थी मुस्तैद

कैंची धाम महोत्सव में पहली बार एसडीआरएफ और एनडीआरएफ को भी मुस्तैद रखा गया था। इसके अलावा वन विभाग और अग्निशमन विभाग को भी तैनात किया था। खासकर भीषण गर्मी से जंगलों में लग रही आग या दुर्घटना की संभावनाओं को देखते हुए पूरी टीमें सक्रिय थी। इसकी मॉनिटरिंग भी लगातार की जा रही थी। खासकर चीड़ और अन्य जंगल वाले रास्ते पर मोबाइल टीमें गश्त कर रही थी।

डोडीताल ट्रैक पर लोनिवि के एई की हार्ट अटैक से मौत

उत्तरकाशी। रविवार शाम को डोडीताल–अगोड़ा ट्रैक पर गए दो स्थानीय ट्रैकरों में से एक की हार्ट अटैक से रास्ते में मौत हो गई। मृतक ट्रैकर लोनिवि उत्तरकाशी में एई के पद पर कार्यरत था। शव को पोस्टमार्टम के लिए उत्तरकाशी जिला अस्पताल लाया गया है। जनपद पुलिस के अनुसार रविवार करीब साढ़े 9 बजे डोडीताल ट्रैक पर मांझी नामक स्थान से एक किमी पहले 2 स्थानीय ट्रैकर के फंसे होने और एक को हार्ट अटैक आने की सूचना दी गई थी। डीएम डॉ. मेहरबान सिंह बिष्ट और एसपी अर्पण यदुवंशी ने कोतवाली मनेरी पुलिस, एसडीआरएफ, वन विभाग व अन्य आपदा दल की टीमें रात में ही घटना स्थल के लिए रवाना की। रात्रि करीब तीन–साढ़े तीन बजे टीमें घटना स्थल पर पहुंची। टीम ने मौके पर जाकर ट्रैकर कांति नौटियाल निवासी मातली को सुरक्षित पाया। जबकि मृतक 50 वर्षीय विरेन्द्र सिंह चौहान निवासी श्री हरि रेजिडेन्सी, दून यूनिवर्सिटी रोड देहरादून को सोमवार को स्ट्रेचर पर कंधे के माध्यम से पैदल रास्ते से अगोड़ा तक लाकर एम्बुलेंस से जिला अस्पताल उत्तरकाशी पहुंचाया गया।

चिलचिलाती गर्मी के बीच यूपीसीएल के दावे धड़ाम

–पावर कट के साथ लो वोल्टेज से निकला पसीना

देहरादून। भीषण गर्मी के बीच शत–प्रतिशत बिजली सप्लाई के यूपीसीएल के दावे धड़ाम हो गए हैं। न सिर्फ जमकर बिजली कटौती हो रही है, बल्कि लो वोल्टेज की अलग समस्या खड़ी हो गई है। यूपीसीएल के जीरो बिजली रेस्टिंग के दावे हवाई साबित हुए हैं। शहर से लेकर गांव तक जमकर बिजली की रेस्टिंग हो रही है। इसके कारण भीषण गर्मी से जूझ रहे लोगों को बिजली, पानी की कमी से भी जूझना पड़ रहा है। भीषण गर्मी के कारण बढ़ी हुई बिजली की डिमांड ने पूरे पॉवर सप्लाई सिस्टम को ध्वस्त कर दिया है। पीक आवर्स में बिजली की डिमांड बढ़ते ही सब स्टेशन ओवरलोड हो जा रहे हैं। बड़े फॉल्ट से बचने को यूपीसीएल से लेकर पिटकुल अपने सब स्टेशनों में शट डाउन ले रहा है। इससे पूरे दिन भर लोगों को बीच बीच में कई कई घंटों की बिजली कटौती झेलनी पड़ रही है। ये स्थिति किसी ग्रामीण क्षेत्र की नहीं है, बल्कि राजधानी देहरादून के पॉश इलाकों तक की है। दोपहर और रात के समय में एक से दो–दो घंटे तक की बिजली कटौती हो रही है। देहरादून, हरिद्वार, यूएसनगर, नैनीताल के ग्रामीण क्षेत्रों में ये कटौती और अधिक हो रही है। इस पूरे सप्लाई सिस्टम ने आम आदमी को रुला कर रख दिया है। हर महीने महंगी बिजली का झटका देने वाला यूपीसीएल जनता को पर्याप्त बिजली उपलब्ध नहीं करवा पा रहा है।

जहां भी लोड बढ़ने से दिक्कत आ रही है, वहां के लिए वैकल्पिक इंतजाम किए जा रहे हैं। लोड बढ़ने से फॉल्ट की स्थिति न पैदा हो, इसके लिए फील्ड की टीम को अलर्ट मोड पर रहने के निर्देश दिए गए हैं।

राजनाथ सिंह के घर एनडीए की बड़ी बैठक

● इंडिया गठबंधन के खिलाफ बनी रणनीति, स्पीकर चुनाव पर भी हुई चर्चा

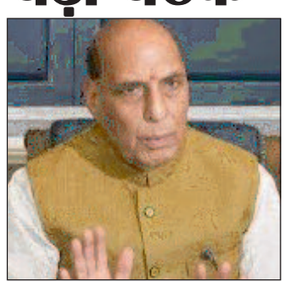

नई दिल्ली , रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के घर पर एनडीए की बड़ी बैठक हुई। इस बैठक में केंद्रीय मंत्री और बीजेपी चीफ जेपी नड्डा के अलावा अश्विनी वैष्णव, किरण रिजीजू, ललन सिंह और चिराग पासवान मौजूद थे। उस बैठक में लोकसभा स्पीकर के चुनाव को लेकर गहन मंथन हुआ है। असल में 26 जून को लोकसभा स्पीकार का चुनाव होने वाला है, माना जा रहा है कि बीजेपी अपना ही उम्मीदवार उतारने वाली है। दूसरी तरफ इंडिया गठबंधन ने भी खेल करते हुए एनडीए से डिप्टी स्पीकर का पद मांग लिया है। यहां तक कहा गया है कि अगर बात नहीं मानी गई तो स्पीकर पद के लिए भी विपक्ष अपना उम्मीदवार उतार देगा। अब इस बदली हुई स्थिति में ही तमाम समीकरण साधने के लिए राजनाथ सिंह के घर पर यह बैठक की गई है। बैठक में चिराग पासवान, जेपी नड्डा, अश्विनी वैष्णव जैसे कई बड़े नेता शामिल हुए। बैठक के दौरान चर्चा हुई कि आखिर किस तरह से अपने उम्मीदवार के लिए ज्यादा से ज्यादा समर्थन जुटाया जाए। वैसे बीजेपी के लिए राहत की बात यह है कि जेडीयू और टीडीपी ने अपना समर्थन पार्टी को दे दिया है।

मणिपुर को लेकर एक्शन में सरकार

नई दिल्ली ,मणिपुर में जारी हिंसा के हालात पर काबू पाने के लिए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने आज शाम चार बजे एक उच्च स्तरीय सर्वदलीय बैठक बुलाई है। इस बैठक में मणिपुर के वर्तमान हालात पर चर्चा की जायेगी और आगे की रणनीति पर विचार किया जाएगा। मणिपुर में 3 मई से मैतेई और कुकी समुदायों के बीच जारी हिंसा के कारण अब तक 100 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है और हजारों लोग विस्थापित हुए हैं।इस बैठक में मणिपुर के सीएम एन वीरेंद्र सिंह के साथ राज्य के पुलिस और प्रशासन के अधिकारी और केंद्रीय गृह मंत्रालय के आला अधिकारी मौजूद रहेंगे। बीते दिन मणिपुर की राज्यपाल अनुसुइया उइके ने अमित शाह से मुलाकात की थी।

इससे पहले 10 जून को आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने मणिपुर की हिंसा को लेकर चिंता जताई. नागपुर में संघ की एक सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा, ह्यमणिपुर पिछले एक साल से शांति का इंतजार कर रहा है.

115 विदेशी श्रद्धालु चारधाम यात्रा पर रवाना

ऋषिकेश। इस बार चारधाम दर्शन के लिए विदेशी श्रद्धालुओं की संख्या बढ़ी है। सोमवार को रूस, फ्रांस समेत विभिन्न देशों के 115 विदेशी चारधाम के लिए रवाना हुए। प्रशासन ने विदेशी भक्तों के रजिस्ट्रेशन के लिए विशेष प्रबंध किए हैं। चारधाम यात्रा के लिए करीब 20 हजार विदेशी नागरिक अब तक रजिस्ट्रेशन करा चुके हैं। जिनमें नेपाल, ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया, अमेरिका के नागरिक भी शामिल हैं।

चारधाम दर्शन को विदेशी मेहमानों में भी खासा उत्साह है। अब बड़ी संख्या में विदेशी मेहमान भी चारधाम यात्रा के लिए पहुंच रहे हैं। सोमवार को स्पेन, मलेशिया, दक्षिण अफ्रीका, रूस, फ्रांस और नेपाल के 115 विदेशी श्रद्धालु ऋषिकेश पहुंचे।

जहां उन्होंने यात्रा के लिये अपना पंजीकरण करवाया। इस दौरान विदेशी श्रद्धालुओं के जय बद्री, जय केदार के उद्घोष से ट्रांजिट कैंप परिसर गूंज उठा। इनमें से अधिकांश बदरीनाथ–केदारनाथ दर्शन के लिये आये है। फ्रांस से आई पेशे से डॉक्टर कटरीनो का कहना है कि उनके माता–पिता भी कई बार बदरी–केदारधाम के दर्शन को आ चुके है, जबकि वह पहली बार दर्शन को जा रही है। जिसको लेकर वह उत्साहित है। एसडीएम ऋषिकेश कुमकुम जोशी ने बताया कि अंतरराष्ट्रीय यात्रियों के लिए हेल्प डेस्क के माध्यम से पंजीकरण हेतु अलग व्यवस्था कर दी गई है। उन्होंने बताया कि यात्रियों को नियमानुसार पंजीकरण करके यात्रा पर भेजा गया है। उन्होंने बताया कि अब चारधाम दर्शन को जाने वाले विदेशी श्रद्धालुओं की संख्या बढ़ने लगी है।

राष्ट्र की उन्नति को समाज में समरसता जरूरी: कोश्यारी

ऋषिकेश। भाजपा जिला उपाध्यक्ष प्रतीक कालिया ने समरसता भोज का आयोजन किया। पूर्व मुख्यमंत्री भगत सिंह कोश्यारी और राज्यसभा सांसद एवं प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए। कोश्यारी ने कहा कि मौजूदा वक्त की मांग है कि समाज में किसी तरह का भेदभाव पैदा होने से रोका जाए। उन्होंने समरसता पर जोर देते हुए कहा कि हर तबके को मिल–जुलकर राष्ट्र की उन्नति में भूमिका निभाने की जरूरत है। सोमवार को देहरादून रोड स्थित श्रीराम वेडिंग प्वाइंट में आयोजित कार्यक्रम में प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट ने समरसता भोज में हर वर्ग के लोगों के शामिल होने को ही समरसता का अर्थ बताया। हर जाति और धर्म के लोगों को कार्यक्रम के माध्यम से साझा मंच प्रदान करने पर आयोजन प्रतीक की सराहना भी की। उन्होंने कहा कि समाज में एकता के लिए समय–समय पर इस तरह के प्रयासों का होना जरूरी है। आचार्य बालकृष्ण और राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष कुसुम कंडवाल ने भी समरसता भोज में विचार साझा किए। मौके पर कपकोट विधायक सुरेश गडिया, यमकेश्वर विधायक रेणु बिष्ट, राज्यमंत्री रमेश गडिया, विश्वास डाबर, देवदत्त शर्मा, राजू शर्मा, राजपाल ठाकुर, सुभाष वाल्मीकि, राधेश्याम जाटव, अनिल खन्ना, कविता शाह, सुमित पंवार, जगवार सिंह, माधवी गुप्ता, निखिल बर्थवाल, इंद्रकुमार गोदवानी, गोविंद अग्रवाल, प्रदीप दुबे,सीमा रानी, उषा जोशी, रंजन अंथवाल, अविनाश भारद्वाज, राघव गेरा, कुलदीप आदि मौजूद रहे।

एलन मस्क का बड़ा एक्शन, भारत में दो लाख से अधिक खातों पर लगाया प्रतिबंध

नई दिल्ली , एलन मस्क की कंपनी एक्स ने 26 अप्रैल से 25 मई के बीच भारत में 2,29,925 खातों पर प्रतिबंध लगा दिया। इनमें से अधिकतर बाल यौन शोषण और नग्नता को बढ़ावा देने वाले थे। उथल–पुथल से गुजर रहे माइक्रोब्लॉगिंग प्लेटफॉर्म ने देश में आतंकवाद को बढ़ावा देने पर 967 खातों को भी हटा दिया। कुल मिलाकर, एक्स ने 230,892 खातों पर प्रतिबंध लगाया।माइक्रोब्लॉगिंग प्लेटफॉर्म ने अपनी मासिक रिपोर्ट में कहा कि उसे भारत में यूजर्स से 17,580 शिकायतें मिलीं। खाता निलंबन की अपील करने वाली 76 शिकायतों पर कंपनी ने कार्रवाई की। कंपनी ने कहा, हमें इस रिपोर्टिंग अवधि के दौरान खातों के बारे में सामान्य प्रश्नों से संबंधित 31 अनुरोध प्राप्त हुए। भारत से सबसे अधिक शिकायतें प्रतिबंध से बचने (6,881) के बारे में थीं, इसके बाद घृणित आचरण (3,763), संवेदनशील वयस्क सामग्री (3,205) और दुर्व्यवहार/उत्पीडऩ (2,815) के बारे में थीं।

बड़ा रेल हादसा : कंचनजंगा एक्सप्रेस में मालगाड़ी ने मारी टक्कर, अब तक 7 की मौत—30 घायल

कोलकात्ता , पश्चिम बंगाल के दार्जिलिंग में बड़ा ट्रेन हादसा हुआ है। यहां रंगापानी स्टेशन के पास खड़ी कंचनजंगा एक्सप्रेस ट्रेन को मालगाड़ी ने पीछे से टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कंचनजंगा एक्सप्रेस ट्रेन की तीन बोगियां बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गईं। हादसे में 7 लोगों की मौत की खबर है, वहीं 30 यात्रियों के घायल होने की सूचना है। मौके पर तत्काल बचाव टीम पहुंची है। रेस्क्यू जारी है।इस हादसे पर पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, ह्य दार्जिलिंग जिले के फांसीदेवा से एक दुखद रेल दुर्घटना के बारे में जानकारी मिली। स्तब्ध हूं, हालांकि पूरी जानकारी का इंतजार है, कंचनजंगा एक्सप्रेस कथित तौर पर एक मालगाड़ी से टकरा गई है। बचाव दल और मेडिकल सहायता के लिए टीमें घटनास्थल पर भेजी गई हैं। डीएम और एसपी को भी मौके पर भेजा गया है। इस हादसे में कंचनजंगा एक्सप्रेस ट्रेन की पीछे की तीनों बोगियां बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई हैं। एक बोगी तो दूसरी बोगी के ऊपर आकर हवा में लटक गई। वहीं दूसरी बोगी ट्रैक पर पलटी दिखाई दी। अधिकारियों ने बताया कि हादसे में सबसे ज्यादा नुकसान इन्हीं तीनों बोगियों को पहुंचा है। घटनास्थल पर अफरातफरी का माहौल है। बोगी में मौजूद घायल यात्री कराहते दिखाई दिए। रेस्क्यू टीम सभी को बाहर निकालकर अस्पताल भेजने में जुटी हुई है। रेलवे के अधिकारियों ने कहा कि हादसे की जांच कराई जाएगी। मालगाड़ी ट्रेन के ड्राइवर से भी पूछताछ की जाएगी। क्या कोई तकनीकी समस्या की वजह से यह हादसा हुआ, इसका भी पता लगाया जा रहा है। शुरुआती तौर पर पता चला है कि सिग्नलिंग की समस्या के कारण मालगाड़ी उसी लाइन पर चली गई थी।

इस हादसे पर रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने दुख जताया है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा,ह्ल बचाव कार्य युद्धस्तर पर जारी है। रेलवे, एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीमें साथ मिलकर रेस्क्यू में जुटी हुई हैं। घायलों को अस्पताल पहुंचाया जा रहा है। वरिष्ठ अधिकारी घटनास्थल पर पहुंच गए हैं। वहीं रेलवे ने घायलों की मदद के लिए हेल्पलाइन नंबर जारी किया है। घायलों के परिजन 033–23508794, 033–23833326 पर कॉल करके मदद ले सकते हैं।

ब्याज के कारोबारियों ने तीन को मारी गोली, एक की मौत, दो गंभीर

देहरादून। ब्याज का कारोबार करने वाले दो सगे भाईयों ने एक गाड़ी के विवाद में अपने साथियों के साथ मिलकर तीन लोगों को गोली मार दी, जिसमें दो लोग गंभीर रूप से घायल हैं और एक की मौत हो गयी। घटना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने तीन लोगों को गिरफ्तार किया है, जबकि जबकि उनके तीन साथी फरार हैं। पुलिस मामले की जांच कर रही है। वरिष ठ पुलिस अधीक्षक अजय सिंह ने जानकारी देते हुए एजेंसी संवाददाता को बताया कि बीती 16 जून की रात्रि में कंट्रोल रूम 112 के माध्यम से थाना रायपुर को सूचना प्राप्त हुई थी कि डोभाल चौक पर फायरिंग की घटना हुई है, जिसमें 02–03 लोग घायल हो गये है तथा घटना को अंजाम देने वाले व्यक्ति घटना के बाद वाहन संख्या यूके 07 डीए–6262 रंग सिल्वर में बैठकर भाग गये है । घटना की सूचना पर सम्पूर्ण जनपद में चैकिंग के आदेश दिये गये एवं क्षेत्राधिकारी डोईवाला के नेतृत्व में तीन पुलिस टीमें गठित कर अभियुक्त गणों की गिरफ्तारी हेतु आवश्यक दिशा निर्देश दिये गये। पुलिस की सघन चेकिंग को देखते हुए घटना कर वाहन से फरार हुए दोनों अभियुक्त उक्त वाहन को आशारोड़ी बैरियर से आगे छोड़कर जंगल में भाग गए, जिनकी तलाश हेतु पुलिस द्वारा सघन चेकिंग/ कांबिंग की जा रही है।

घटना की सूचना पर अन्य वरिष्ठ अधिकारी तथा थानाध्यक्ष रायपुर मय पुलिस बल के मौके पर पहुंचे । वहां मौजूद लोगों ने थाना प्रभारी कुन्दन राम को बताया कि नेहरूग्राम निवासी सागर यादव पुत्र दिनेश यादव ने एक वाहन टाटा स्ट्रोम को सोनू भारद्वाज के घर के पास सवा चार लाख रूपये में गिरवी रख कर गया था, उक्त वाहन का मालिक दीपक बडोला उर्फ रवि बडोला था, जिसकी बिना रजामंदी से सोनू भारद्वाज ने उक्त वाहन को गिरवी रख दिया था। इस बात की जानकारी जब दीपक बडोला को हुयी तो उसने सागर यादव उर्फ शम्भू यादव से अपना वाहन मांगा तो शम्भू यादव ने दीपक बडोला को गाली गलौच व वाहन वापस न करने की धमकी दी, जिस पर दीपक बडोला ने सोनू भारद्वाज से अपना वाहन वापस माँगने के लिए संपर्क किया पर सोनू भारद्वाज ने भी वाहन देने से मना कर दिया। जिस पर दीपक बडोला ने उक्त बात अपने जानने वाले सुभाष क्षेत्री, मनोज नेगी व अन्य लोगों को बतायी तथा दिनांक 16.06.2024 को दीपक बडोला, सुभाष क्षेत्री व मनोज नेगी के साथ अपना वाहन वापस मांगने सोनू भारद्वाज के घर गया। घर के पास सोनू भारद्वाज, मोनू भारद्वाज, रामवीर, मनीष. अंकुश, योगेश द्वारा उन पर फायरिंग कर सुभाष क्षेत्री, मनोज नेगी व दीपक बडोला को गम्भीर रूप से घायल कर दिया, जिसके पश्चात सुभाष क्षेत्री को उसके परिजन पहले कैलाश अस्पताल व उसके पश्चात इन्द्रेश अस्पताल ले गये व मनोज नेगी को पुलिस द्वारा उपचार हेतु दून अस्पताल भिजवाया गया जहाँ से उसके परिजन उसे इन्द्रेश अस्पताल ले गये, वर्तमान में दोनों घायलों का इन्द्रेश अस्पताल दे0दून में उपचार चल रहा है । तीसरे घायल दीपक बडोला को पुलिस व उसके परिजनों द्वारा घटना के पश्चात रात्रि से प्रात; तक काफी तलाश किया गया, परंतु उसका कुछ पता नहीं चल सका। प्रातः दीपक बडोला का शव डोभाल चौक के पास नाले में मिला, जिसे कब्जे में लेकर अग्रिम कार्यवाही के लिए कोरोनेशन अस्पताल भिजवाया गया। मौके पर फील्ड यूनिट द्वारा घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण करते हुए वीडियो ग्राफी/ फोटोग्राफी की गई तथा साक्षय संकलन की कार्यवाही की गई। इस संबंध में वादी श्री सचिन छेत्री पुत्र किशन बहादुर क्षेत्री निवासी अपार नेहरू ग्राम रायपुर की लिखित तहरीर के आधार पर अंतर्गत धारा 307 आईपीसी में अभियोग पंजीकृत किया गया तथा दीपक बडोला का शव मिलने पर धारा 302 व 120बी भादवि की बढोत्तरी की गयी। घटना में संलिप्त देवेंद्र उर्फ सोनू भारद्वाज तथा उसके भाई मोनू शर्मा व शम्भू यादव को पुलिस द्वारा हिरासत में लिया गया है, अन्य अभियुक्त गणों की गिरफ्तारी हेतु 02 पुलिस टीमो को संभावित स्थानों को रवाना किया गया है। मौके से घायल सुभाष क्षेत्री को उसके परिजन उपचार हेतु कैलाश अस्पताल ले गये एवं पुलिस द्वारा मौके पर मौजूद अन्य घायल मनोज नेगी को एम्बुलेंस की सहायता से दून अस्पताल भर्ती कराया गया, घायलों से पूछताछ में उनके द्वारा बताया गया कि देवेंद्र कुमार उर्फ सोनू भारद्वाज पुत्र इन्द्र कुमार शर्मा व मोनू भारद्वाज पुत्र इन्द्र कुमार शर्मा निवासी गढवाली कालोनी रायपुर देहरादून ब्याज का काम करते हैं, जिसके घर में कुछ दिनों से रामवीर निवासी मु0नगर, योगेश निवासी मेरठ उ0प्र0, मनीष निवासी पटना बिहार रह रहे थे । रामवीर के विरूद्ध हत्या के कई अभियोग पंजीकृत है, इनका एक अन्य मित्र अंकुश निवासी शिवलोक कालोनी दे0दून भी उनके साथ था। उक्त चारों व्यक्ति समय–2 पर सोनू भारद्वाज के घर आया–जाया करते थे। स्थानीय लोगों ने बताया कि भारद्वाज बन्धुओ ने पूरे इलाके में आतंक मचाया हुआ है। ये पश्चिमी उत्तर प्रदेश और हरियाणा के बदमाशों को अपने साथ रख कर लोगों से जबरन ब्याज वसूलते हैं जो एक बार इनके चंगुल में फंस जाता है वह फिर निकल ही नही पाते।

कई लोगों की जा चुकी है जान

देहरादून। ब्याज का कारोबार करने वाले भारद्वाज बंधुओं के चंगुल में फंसे कई लोग अपनी जान खो चुके हैं लेकिन इनके खौफ के चलते कोई भी इनके खिलाफ बोलने को तैयार नही है। बताया जा रहा है कि ये दोनों भाई पहले भी जेल रह कर आ चुके हैं इन पर गैगेस्टर समेत कई मुकदमे चल रहे हैं। पुलिस का कहना है कि इन्होंने यहां बदामाशों को शरण दी हुयी थी। बताया जा रहा है इसमें एक को कैंसर की बीमारी भी है जो कि लम्बे से उपचार ले रहा है। पुलिस का कहना है कि इनहोंने अपना मकान भी ग्राम समाज की भूमि पर बनाया हुआ है और साथ ही साथ ये ये पूरे इलाके में दहशत का प्रयाय बने हुए हैं। एसएसपी ने जिलाधिकारी को पत्र लिखकर उनकी जमीन भी नापने को कहा है साथ साथ इनकी हिस्ट्रीशीट भी खंगाली जा रही है।

संपादकीय

विकास की आड़ में पर्यावरण असंतुलन

व्यवसायिकता की दौड़ में आज इंसान ने धरती की भौगोलिक परिस्थितियों को इस प्रकार से बिगाड़ कर रख दिया है कि आज खुद ही वह इसका शिकार बन गया है। मैदान से लेकर पहाड़ तक प्रकृति का जिस प्रकार से दोहन किया गया उसकी विभीषिका आज देखने को मिल रही है। मैदानी और तराई क्षेत्र की तो बात ही क्या करनी, पहाड़ों की दशा भी बद से बदतर हो चुकी है। उत्तराखंड भी प्रकृति के इस असंतुलन से बच नहीं पाया है और यहां जिस प्रकार से भौगोलिक परिवर्तन देखने को मिला है वह भविष्य के लिए निश्चित तौर पर खतरे के संकेत हैं। आज से चद वर्ष पहले उत्तराखंड की यह स्थिति नहीं थी और यहां ग्रीष्म काल में भी बादल बरस जाते थे। राज्य बनने के बाद अंधे विकास की दौड़ में शामिल देहरादून नगर को तो मानो किसी की नजर ही लग गई है और अब यह एक घाटी ना होकर एक ऐसी तपती हुई भट्टी में तब्दील हो गई है जहां रहना अब दुभर महसूस होने लगा है। इस शहर की इससे बड़ी त्रासदी भला और क्या होगी कि दिन का अधिकतम तापमान 45 डिग्री तक जा पहुंचा है और राजधानी कि वह सड़कें जो वाहनों के जाम से जूझती नजर आती है आज वहां सड़कों पर वीराना पड़ा हुआ है। यही स्थिति राज्य के दूसरे ऐसे शहरों में भी हैं जहां विकास के नाम पर अनियोजित योजनाओं एवं निर्माण को सरकार आंखें बंद कर मंजूरी देती रही। पेड़ों के व्यापक कटान का ही यह परिणाम है कि आज उत्तराखंड अपनी पुरानी पहचान खोता जा रहा है। वर्ष 2000 में जब अलग राज्य की स्थापना हुई तो विकास की अंधी दौड़ यहां की भौगोलिक परिस्थितियों को भी निगलती चली गई। अंधाधुंध निर्माण बड़ी संख्या में वृक्षों का कटान, विकास के नाम पर दशकों से लगे हरे पेड़ों की कुर्बानी, निर्माण के दौरान काट दिए जाने वाले वृक्ष आज हमें कहीं ना कहीं प्राकृतिक संतुलन बिगाड़ने का दंड दे रहे हैं। सबसे बड़ी चिंता का विषय तो यह है कि प्रकृति के संरक्षण में अब तक की राज्य सरकारें भी संवेदनशील नजर नहीं आई है और विकास के नाम पर तमाम विरोध के बावजूद भी जंगलों एवम सड़क किनारे लगे पेड़ों को काट दिया गया। व्यापक तौर पर पेड़ों को जमींदोज कर आखिर हम एक संतुलित स्वस्थ पर्यावरण की कल्पना कैसे कर सकते हैं। पर्यावरण संरक्षण का ज्ञान देना बेहद आसान है लेकिन खुद आकलन करना चाहिए कि क्या हम वाकई पर्यावरण संरक्षण और संतुलन के लिए अपनी भूमिका का निर्वहन कर रहे हैं? राज्य सरकार को भी अब कोई ऐसी एक नीति और अभियान अपनाना चाहिए जिसमें किसी भी प्रकार के निर्माण के लिए वृक्षों को लगाने की कुछ सीमित संख्या निर्धारित होनी चाहिए। निर्माण के लिए हम पेड़ काट डाले और उसके स्थान पर उसकी भरपाई भी ना करें यह बिल्कुल न्याय संगत नहीं है।

विकास की सार्थकता पर सवाल

भारत डोगरा

वैसे तो वर्तमान विकास की विसंगतियां कई स्तरों पर नजर आ रही हैं, पर स्थिति तब और भी स्पष्ट हो जाती है, जब इस विकास की दौड़ में सबसे आगे माने जाने वाले देशों में भी लोग इस विकास की सार्थकता के बारे में सवाल खड़े करने लगें।

ब्रिटिश सोशल साइंस रिसर्च काउंसिल (ब्रिटिश समाज शास्त्र अनुसंधान परिषद) द्वारा किए गए एक सर्वेक्षण में ऐसे ही सवाल सामने आए हैं।

इस सर्वेक्षण में पांच वषो के दौरान तीन बार 1500 सामान्य नागरिकों के सैंपल से पूछा गया कि जीवन को बेहतर बनाने के लिए वे किन बातों को महत्त्व देते हैं और क्या उन्हें लगता है कि जीवन पहले से बेहतर हो रहा है या नहीं। ब्रिटेन के समाज को (अन्य पश्चिमी विकसित देशों की तरह) काफी भौतिकवादी माना जाता है पर 71 प्रतिशत लोगों ने जीवन की गुणवत्ता (क्वालिटी) के बढ़ने या जीवन बेहतर होने में जिन बातों को महत्त्व दिया उनका आय या दौलत के बढ़ने से कोई संबंध नहीं था।

उपभोक्ता वस्तुओं से अधिक महत्त्व अच्छे पारिवारिक जीवन और संतोष की स्थिति को देने वाले लोगों की संख्या अधिक थी। सबसे महत्त्वपूर्ण बात जो इस सर्वेक्षण में सामने आई वह यह थी कि लगभग सभी नागरिकों के मत में पिछले पांच वषो में उन्हें उपलब्ध उपभोक्ता वस्तुओं की मात्रा बढ़ गई थी पर साथ ही जीवन की गुणवत्ता कम हो गई थी। इतना ही नहीं, लगभग सभी लोगों ने यह विचार भी व्यक्त किया कि अगले पांच वषो में यही स्थिति और आगे बढ़ने की संभावना है– उपभोक्ता वस्तुओं की मात्रा और बढ़ जाएगी पर साथ ही जीवन की गुणवत्ता और घट जाएगी।

इस सर्वेक्षण से यह बात सामने आई है कि वर्तमान विकास की विसंगतियों पर जोर देना केवल जीवन की गहराई में गोता लगाने वाले कुछ दर्शनशास्त्रियों या पर्यावरणविद् तक ही सीमित नहीं है अपितु इस विकास के क्षेत्र में अग्रणी माने जाने वाले देशों के सामान्य लोग भी अब इस पीड़ा को समझ रहे हैं, चाहे विकल्पों के अभाव में इस पीड़ा से बाहर निकलने की कोई दिा अभी न मिल रही हो।प्रायः प्रति व्यक्ति आय को किसी देश के विकास का सबसे महत्त्वपूर्ण द्योतक माना जाता है। चाहे दो राष्ट्रों की तुलना करनी हो या एक ही राष्ट्र की वर्तमान स्थिति की कुछ समय पहले की स्थिति से तुलना करनी हो, सबसे प्रचलित तरीका यही अपनाया जाता है कि राष्ट्रीय आय को जनसंख्या से विभाजित कर प्रति व्यक्ति आय प्राप्त कर ली जाती है। लेकिन अब अनेक अर्थशास्त्री व अन्य विद्वान राष्ट्रीय आय या प्रति व्यक्ति आय को वास्तविक विकास का द्योतक मानने के बारे में अनेक महत्त्वपूर्ण सवाल उठाने लगे हैं। राष्ट्रीय आय में सब तरह की वस्तुओं व सेवाओं को जोड़ा जाता है, इस बात को कोई महत्त्व नहीं दिया जाता है कि वह वस्तु जन–कल्याण से जुड़ी है या समाज के लिए हानिकारक है।

यदि किसी देश में एक दशक के दौरान अन्य बातें समान हैं पर शराब, तंबाकू, वेश्यावृत्ति और जुआघरों में बहुत तेजी से वृद्धि हो रही है तो राष्ट्रीय आय या प्रति व्यक्ति आय के आंकड़ों के अनुसार विकास की गति काफी तेज मानी जाएगी। राष्ट्रीय आय व प्रति व्यक्ति आय द्वारा विकास को जानने की एक अन्य प्रमुख कमी यह है कि पर्यावरण को होने वाली क्षति का उचित आकलन इसमें नहीं होता है अपितु कई बार तो विपरीत आकलन होता है। एक देश में वनों को बहुत सुरक्षित रखा गया है ताकि भविष्य में जल व मिट्टी संरक्षण का कार्य अच्छी तरह से होता रहे, दूसरे देश में कुछ ही वषो में सारे जंगलों को काटकर उनकी लकड़ी बेच दी जाती है व इससे प्राप्त धनराशि को तरह–तरह के अनैतिक कायरे में खर्च कर दिया जाता है। राष्ट्रीय आय के आंकड़े तो यही बताएंगे कि दूसरे देश में अधिक विकास हुआ है क्योंकि लकड़ी काटने व बेचने से प्राप्त धनराशि की गिनती राष्ट्रीय आय में हो जाएगी। पहले देश द्वारा वन बचाए रखने के महत्त्व को राष्ट्रीय आय के आंकड़े नहीं पहचानेंगे।विकास के द्योतक के रूप में राष्ट्रीय आय व प्रति व्यक्ति आय की एक अन्य प्रमुख कमी यह हैं कि इससे हमें आय के वितरण के बारे में कुछ पता नहीं चलता है। प्रति व्यक्ति आय जिस दशक के दौरान तेजी से बढ़ी है, हो सकता है कि उसी दशक के दौरान अर्थव्यवस्था के नीचे के 50 प्रतिशत लोगों का अभाव पहले से भी अधिक बढ़ गया हो। प्रति व्यक्ति (औसत) आय में वृद्धि पूरी तरह अमीर तबके की आय में तेजी से हो रही वृद्धि पर आश्रित हो सकती है। इस स्थिति में अतिरिक्त आय फिजूलखर्ची में जाएगी और गरीब लोगों को बुनियादी जरूरतों में भी और कटौती करनी पड़ेगी, पर राष्ट्रीय व प्रति व्यक्ति आय के आंकड़े यही बताएंगे कि तेज विकास हो रहा है।

किसी भी देश के लोगों की आर्थिक स्थिति से अलग बहुत सी बातें होती हैं जो प्रति व्यक्ति आय के आंकड़ों की पहुंच से बहुत दूर हैं। उस देश में भाईचारे और अच्छे नागरिक होने की भावना कितनी प्रबल है, पारिवारिक संबंध बेहतर हो रहे हैं या बिगड़ रहे हैं, शिक्षा पण्राली कैसी है, बचपन कितना सुरक्षित है ऐसी कितनी ही बातें हैं जो प्रति व्यक्ति आय की परिधि से बाहर हैं। फिर भी किसी समाज के लिए बहुत महत्त्वपूर्ण हैं।

ब्रिटेन में पिछले चार दशकों में कितना विकास हुआ है, इसका पता लगाने का एक अपेक्षाकृत अधिक ईमानदार प्रयास ह्यनव अर्थशास्त्र प्रतिष्ठान ने किया है। इस प्रतिष्ठान ने टिकाऊ कल्याण का एक सूचक तैयार किया है। इस अनुमान के अनुसार जहां ब्रिटेन की राष्ट्रीय आय में 1950–90 तक 230 प्रतिशत की वृद्धि हुई, वहां टिकाऊ आर्थिक कल्याण में मात्र 3 प्रतिशत की वृद्धि हुई। यदि केवल वर्ष 1975 के बाद के आंकड़ों को देखें, तो इस दौरान राष्ट्रीय आय तो एक तिहाई बढ़ गई पर टिकाऊ आर्थिक कल्याण में 50 प्रतिशत की गिरावट आई। ऐसा व्यापक पर्यावरण के नुकसान व संसाधन आधार को क्षति पहुंचने के कारण हुआ। दूसरे शब्दों में 1975–90 के पंद्रह वषो में ब्रिटेन में अवनति हो रही थी जबकि राष्ट्रीय आय के आंकड़े विकास का ढोल पीट रहे थे। वास्तव में विकास की सही पहचान करने का काम तरह–तरह के विवादों से घिरा हुआ है, पर इतना स्पष्ट होता जा रहा है कि राष्ट्रीय आय व प्रति व्यक्ति आय वाला द्योतक बहुत अपर्याप्त तथा असंतोषजनक है।

उपभोक्ता वस्तुओं से अधिक महत्त्व अच्छे पारिवारिक जीवन और संतोष की स्थिति को देने वाले लोगों की संख्या अधिक थी। सबसे महत्त्वपूर्ण बात जो इस सर्वेक्षण में सामने आई वह यह थी कि लगभग सभी नागरिकों के मत में पिछले पांच वषो में उन्हें उपलब्ध उपभोक्ता वस्तुओं की मात्रा बढ़ गई थी पर साथ ही जीवन की गुणवत्ता कम हो गई थी। इतना ही नहीं, लगभग सभी लोगों ने यह विचार भी व्यक्त किया कि अगले पांच वषो में यही स्थिति और आगे बढ़ने की संभावना है– उपभोक्ता वस्तुओं की मात्रा और बढ़ जाएगी पर साथ ही जीवन की गुणवत्ता और घट जाएगी।इस सर्वेक्षण से यह बात सामने आई है कि वर्तमान विकास की विसंगतियों पर जोर देना केवल जीवन की गहराई में गोता लगाने वाले कुछ दर्शनशास्त्रियों या पर्यावरणविद् तक ही सीमित नहीं है अपितु इस विकास के क्षेत्र में अग्रणी माने जाने वाले देशों के सामान्य लोग भी अब इस पीड़ा को समझ रहे हैं, चाहे विकल्पों के अभाव में इस पीड़ा से बाहर निकलने की कोई दिा अभी न मिल रही हो। प्रायः प्रति व्यक्ति आय को किसी देश के विकास का सबसे महत्त्वपूर्ण द्योतक माना जाता है। चाहे दो राष्ट्रों की तुलना करनी हो या एक ही राष्ट्र की वर्तमान स्थिति की कुछ समय पहले की स्थिति से तुलना करनी हो, सबसे प्रचलित तरीका यही अपनाया जाता है कि राष्ट्रीय आय को जनसंख्या से विभाजित कर प्रति व्यक्ति आय प्राप्त कर ली जाती है।

26 मुस्लिम सांसद निर्वाचित जो बेहद कम

जाहिद खान

देश में हर आम चुनाव में मुस्लिमों की नुमाइंदगी आहिस्ता–आहिस्ता कम होती चली जा रही है। 18वीं लोक सभा में मुसलमानों की नुमाइंदगी देखें, तो 543 सांसदों वाले सदन में इस मर्तबा कुल 26 मुस्लिम सांसद ही निर्वाचित हुए हैं जो बेहद कम हैं।संसद में मुस्लिम प्रतिनिधित्व बढ़ने की बात तो छोड़िए, अब तमाम सियासी पार्टियां उन्हें टिकट देने से भी कतराती हैं। कहीं बीजेपी उन पर मुस्लिम–परस्त होने का इल्जाम न लगा दे। पार्टी के कुछ बड़े लीडर इस मुद्दे पर सांप्रदायिक ध्रुवीकरण का कोई भी मौका हाथ से नहीं जाने देते। 17वीं लोक सभा के चुनाव में मुख्तलिफ पार्टियों ने 115 मुस्लिमों को टिकट दिया था, लेकिन इस बार सिर्फ 78 मुस्लिम प्रत्याशियों पर ही अपना दांव लगाया जबकि देश में 100 सीटें ऐसी हैं, जहां मुस्लिम आबादी 20 फीसद से ज्यादा है। सत्रहवीं लोक सभा में 27 मुस्लिम संसद में पहुंचे थे। इस चुनाव में एक सांसद और कम हो गया। 18वीं लोक सभा में सबसे अधिक छह मुस्लिम सांसद पश्चिम बंगाल से संसद में पहुंचे हैं। सूबे की छह सीटों जंगीपुर, बहरामपुर, मुर्शिदाबाद, बशीरहाट, माल्दा दक्षिण और उल्बेरिया से मुस्लिम उम्मीदवारों ने जीत दर्ज की है। इनमें पांच सीटों पर तृणमूल कांग्रेस तो एक सीट पर कांग्रेस प्रत्याशी चुनाव जीता है। देश में सबसे ज्यादा मुस्लिम आबादी उत्तर प्रदेश में है, जो राज्य की कुल आबादी का 20 फीसद है। उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी ने चार मुस्लिम उम्मीदवारों को टिकट दिया था और चारों जीत दर्ज कर संसद में पहुंच गए हैं। सहारनपुर लोक सभा सीट पर कांग्रेस नेता इमरान मसूद चुनाव जीते। इस तरह उत्तर प्रदेश से पांच मुस्लिम सांसद संसद में अपनी आवाज उठाएंगे। बाकी राज्यों की बात करें तो बिहार, जहां मुसलमानों की तीसरी बड़ी आबादी निवास करती है, से सिर्फ दो मुस्लिम उम्मीदवार लोक सभा में पहुंचे हैं। केरल और जम्मू और कश्मीर से तीन–तीन मुसलमान सांसद चुने गए हैं। असम से भी इस मर्तबा दो मुस्लिम सांसदों ने संसद में पहुंचने में कामयाबी हासिल की है। तेलंगाना, कर्नाटक, लद्दा, लक्षद्वीप और तमिलनाडु से एक–एक मुस्लिम सांसद के तौर पर निर्वाचित हुए हैं। बीजेपी अदद ऐसी पार्टी है, जिसकी तरफ से इस चुनाव में एक भी मुस्लिम सांसद लोक सभा नहीं पहुंचा है। यही हाल सत्रहवीं लोक सभा का था। बीजेपी ने पूरे देश में सिर्फ एक सीट केरल के मलप्पुरम से डॉ. अब्दुल सलाम को उम्मीदवार बनाया था, लेकिन अफसोस! वह चुनाव न जीत सके। बीजेपी के अलावा एनडीए गठबंधन की बात करें तो इससे भी कोई मुस्लिम सांसद संसद में नहीं पहुंचा है। साल 2006 में मुसलमानों की आर्थिक, सामाजिक, शैक्षणिक और राजनैतिक दशा बयां करने वाली सच्चर कमेटी ने अपनी बहुचर्चित रिपोर्ट में भारतीय लोकतंत्र की इस विसंगति की ओर खास तौर पर इशारा किया था कि ह्यभारत जैसे बहुसांस्कृतिक, सामाजिक संरचना वाले देश में सभी वयस्कों को मताधिकार के आधार पर स्थापित लोकतांत्रिक प्रक्रिया में अक्सर जातीय, भाषायी और धार्मिक अल्पसंख्यकों को कम आबादी की वजह से निर्वाचित होने का मौका नहीं मिल पाता। इससे सत्ता में हिस्सेदारी का उन्हें कम मौका मिलता है।ह्न अभी तलक के लोक सभा चुनावों के रिकार्ड उठाकर देखने पर इस बात की तस्दीक खुद–ब–खुद हो जाती है।

अंदरूनी कलह बड़ी भूमिका निभाई

रजनीश कपूर

हिंदुओं के तीर्थ अयोध्या, रामेश्वरम में मिली हार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को काशी में पिछली बार के मुक़ाबले बहुत कम अंतर से मिली जीत से कई तरह के सवाल उठते है। इन नतीजों के बाद सरसंघचालक डॉ मोहन भागवत द्वारा 'अहंकारह्न की ओर इशारा करना भी क्या इस बुरे प्रदर्शन का कारण बना? सूत्रों के अनुसार इस बार के चुनावों कम सीट आने के पीछे भाजपा में अंदरूनी कलह ने भी एक बड़ी भूमिका निभाई।

'अचानक कहीं कुछ नहीं होता, अंदर ही अंदर कुछ घिस रहा होता है, कुछ पिस रहा होता है।ह्न इन पंक्तियों में कवि ने इस बात पर इशारा किया है कि किसी भी काम का विपरीत अंजाम आने पर हमें ऐसा क्यों लगता है कि ऐसा कैसे हो गया? जबकि उसके पीछे के कारणों पर कोई ध्यान नहीं देता। ऐसा ही कुछ हुआ 2024 के उत्तर प्रदेश में लोकसभा चुनावों के परिणामों के बादहै।

प्रदेश में बीजेपी को पहले के मुक़ाबले इस बार बहुत कम सीटें मिलीं है। ऐसा क्या कारण था कि भाजपा का प्रदर्शन इतना बुरा रहा? जबकि अयोध्या में भव्य राम मंदिर के निर्माण,अनुच्छेद 370 के हटने और तीन तलाक़ के मुद्दे थे। ये ऐसे कुछ मुद्दे थे जिन पर भाजपा को पूरा विश्वास था कि वह 'अबकी बार 400 पारह्न के अपने नारे को सच कर दिखाएँगे। परंतु ऐसा नहीं हो सका।

ऐसा माना जाता है कि दिल्ली की गद्दी का रास्ता लखनऊ से होकर जाता है। इस बार के चुनावों में उत्तर प्रदेश का जो परिणाम रहा उसने सत्तारूढ़ दल को यह सोचने पर मजबूर कर दिया है कि ऐसी कौनसी कमी उनकी नीति मे थी जो वोटरों को अपनी ओर आकर्षित करने में विफल रही? ऐसा क्या हुआ कि पार्टी के कार्यकर्ताओं में वो उत्साह नहीं था जो पिछले दो लोकसभा चुनावों में देखा गया?

क्या संगठन के काम करने के ढंग या उनके द्वारा लिये गये ग़लत फ़ैसलों ने ज़मीनी कार्यकर्ताओं को हतोत्साहित किया? क्या उत्तर प्रदेश में या अन्य राज्यों में, जहां भाजपा का प्रदर्शन संतोषजनक नहीं था वहाँ पर उम्मीदवारों के चयन में गलती हुई? हिंदुओं के तीर्थ अयोध्या, रामेश्वरम में मिली हार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को काशी में पिछली बार के मुक़ाबले बहुत कम अंतर से मिली जीत से कई तरह के सवाल उठते है। इन नतीजों के बाद सरसंघचालक डॉ मोहन भागवत द्वारा 'अहंकारह्न की ओर इशारा करना भी क्या इस बुरे प्रदर्शन का कारण बना?

सूत्रों के अनुसार इस बार के चुनावों कम सीट आने के पीछे भाजपा में अंदरूनी कलह ने भी एक बड़ी भूमिका निभाई। जिस तरह केंद्र के नेतृत्व द्वारा राज्य की सरकारों व राज्यों के नेताओं की उपेक्षा की गई और वो फिर जनता के सामने आई वह भी इन नतीजों का कारण बनी। भाजपा और संघ के बीच हुए मतभेदों को भी अनदेखा नहीं किया जा सकता। यदि केंद्र और राज्य के नेतृत्व में कोई मतभेद थे तो उन्हें समय रहते एक मर्यादा के तहत हल किया जाना चाहिए था।

भाजपा और संघ के कार्यकर्ताओं का इस बार के चुनावों में सक्रिय योगदान नहीं दिखाई दिया उससे देश भर में एक संदेश गया है कि राष्ट्रीय नेतृत्व ज़मीन से कट गया है। इस बार के चुनावों को इतने चरणों में बाँटने से भी कार्यकर्ताओं की सहभागिता में कमी नज़र आई। कार्यकर्ताओं को इस बात का पूर्ण विश्वास था कि पिछले दस वर्षों में देश में ऐसे कई बदलाव आए हैं जो तीसरी बार भी मोदी सरकार को पूर्ण बहुमत दिलाएँगे। शायद इसी के चलते भी कार्यकर्ताओं में उतना उत्साह दिखाई नहीं दिया।वहीं दूसरी ओर देखें तो समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव और उनके कार्यकर्ताओं ने जिस तरह उत्तर प्रदेश के चप्पे–चप्पे पर अपनी नज़र बनाए रखी और ख़ूब भागदौड़ की वो काफ़ी फ़ायदेमंद रहा। सपा के उम्मीदवारों का चयन और 'इंडियाह्न गठबंधन के घटक दलों का उन पर विश्वास, दोनों ही इन चुनावों में सही साबित हुए। चुनाव के दौरान और चुनाव संपन्न होने के बाद जिस तरह अखिलेश यादव की सेना ने चौकन्ना रह कर स्थानीय प्रशासन और चुनाव आयोग पर दबाव बनाए रखा वो फ़ायदेमंद साबित हुआ।

कन्फर्म हो गई सिंघम अगेन की रिलीज डेट, अब दिवाली पर जख्मी शेर बन तबाही मचाने आ रहे हैं अजय देवगन

रोहित शेट्टी की फिल्म सिंघम अगेन को लेकर फैंस पलकें बिछाए बैठे हैं. इस फिल्म का मेकर्स से लेकर दर्शकों तक सभी को बेसब्री से इंतजार है. स्टारकास्ट के फर्स्ट लुक्स तो रिवील कर दिए थे, लेकिन बाकी डिलेट देना अभी बाकी था. पहले खबर थी कि सिंघम अगेन 15 अगस्त के दिन सिनेमाघरों में दस्तक देगी और इसकी टक्कर पुष्पा 2 से होगी. लेकिन अब सिंघम अगेन की रिलीज को आगे बढ़ा दिया गया है. अब यह फिल्म 15 अगस्त को नहीं बल्कि इस दिवाली पर सिनेमाघरों में दस्तक देने जा रही है.

रोहित शेट्टी ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर इस बात की जानकारी दी है कि सिंघम अगेन अब 15 अगस्त 2024 को नहीं बल्कि दिवाली 2024 पर रिलीज होने वाली है. पोस्टर शेयर करते हुए रोहित शेट्टी ने लिखा है, ह्यशेर आतंक मचाता है, जख्मी शेर तबाही. मिलते हैं आपसे इस दिवाली सिनेमाघरों मेंह्न. इस पोस्टर पर सिंघम अगेन, रोहित शेट्टी कॉप यूनिवर्स और फिल्म की रिलीज डेट लिखी है. इसके साथ ही स्टारकास्ट के नाम भी लिखे हैं.

बता दें कि अजय देवगन ने भी इंस्टाग्राम पर पोस्ट शेयर कर रिलीज डेट के बारे में बताया है. इसके अलावा उन्होंने फिल्म को लेकर जानकारी दी है कि सिंघम अगेन की शूटिंग अभी पूरी नहीं हुई है और यह फिल्म दिवाली पर रिलीज होगी. अजय देवगन की फिल्म का क्लैश कार्तिक आर्यन की भूल भुलैया 3 से होने वाला है. यह फिल्म भी दिवाली के मौके पर रिलीज होगी. बता दें कि अजय देवगन का बॉक्स ऑफिस क्लैश शानदार रहा है. हो सकता है कि सिंघम अगेन में भी इसका जलवा देखने को मिले.सिंघम अगेन के स्टारकास्ट की बात करें तो रोहित शेट्टी के कॉप यूनिवर्स में मल्टीस्टार नजर आने वाले हैं. फिल्म में अजय देवगन के अलावा करीना कपूर, दीपिका पादुकोण, टाइगर श्रॉफ, रणवीर सिंह, अर्जुन कपूर, जैकी श्रॉफ आदि नजर आने वाले हैं. बता दें कि रोहित शेट्टी इससे पहले अपने कॉप यूनिवर्स में सिंघम, सिंघम अगेन और सूर्यवंशी जैसी फिल्में बना चुके हैं, जिनको दर्शकों का अच्छा रिस्पॉन्स मिला है. अब सिंघम अगेन का इंतजार है.

पाकिस्तानी सेलेक्टर्स पर बरसे इंजमाम उल हक, जमकर लगाई लताड़

नई दिल्ली। पाकिस्तान की टीम का टी20 वर्ल्ड कप 2024 का सफर खत्म हो गया है। बाबर आजम की कप्तानी वाली ये टीम सुपर–8 में भी नहीं जा सकी। इस टीम ने अपने खेल से सभी को निराश किया है। पाकिस्तान के फैंस और पूर्व क्रिकेटर जमकर इस टीम की आलोचना की है। इसी बीच पाकिस्तान के पूर्व कप्तान इंजमामल उल हक ने टीम सेलेक्शन पर हमला बोला है।इंजमाम पाकिस्तान के मुख्य चयनकर्ता भी रह चुके हैं। उन्होंने टी20 वर्ल्ड कप 2024 में टीम के सेलेक्शन पर सवाल उठाए हैं। इंजमाम ने कहा है कि मौजूदा स्थिति को देखकर उन्हें शर्मिंदगी होती है।

नहीं है मिडिल ऑर्डर बल्लेबाज

इंजमाम ने कहा कि मौजूदा पाकिस्तानी टीम में टॉप–5 बल्लेबाज जो हैं सभी ओपनर हैं और उन्हें ये देखकर परेशानी होती है कि टीम के पास एक भी स्पेशलिस्ट मिडिल ऑर्डर का बल्लेबाज नहीं है।

सुपर–8 में अफगानिस्तान से होगी भारत की पहली भिड़ंत

नई दिल्ली। टी20 वर्ल्ड कप 2024 में 8 की आठों टीमें सुपर–8 के लिए क्वालीफाई कर चुकी हैं।

तीन जीत और कुल सात अंकों के साथ अपने ग्रुप की अव्वल रहने के बाद भारत को इस राउंड में अपना पहला मैच 20 जून को अफगानिस्तान के खिलाफ खेलना है। भारत के साथ ग्रुप–1 में ऑस्ट्रेलिया और अफगानिस्तान शामिल हैं। सोमवार को बांग्लादेश ने नेपाल के हराकर सुपर–8 में जगह बनाई। वह इस ग्रुप में शामिल होने वाली चौथी टीम बनी।

वहीं, दूसरी ओवर स्कॉटलैंड पर ऑस्ट्रेलिया की जीत के बाद ग्रुप–2 की चार टीमों की तस्वीर साफ हो गई है। इस ग्रुप में संयुक्त राज्य अमेरिका, वेस्टइंडीज, साउथ अफ्रीका और इंग्लैंड शामिल हैं। सुपर–8 का पहला मैच 19 जून को भारतीय समयानुसार रात आठ बजे से साउथ अफ्रीका और यूएसए के बीच खेला जाएगा। भारत अपना पहला मैच 20 जून को खेलेगा।

ऋतिक रोशन की प्रस्तुति पुष्तैनी का ट्रेलर हुआ रिलीज, 21 जून को सिनेमाघरों में दस्तक देगी फिल्म

ऋतिक रोशन एक ऐसे अभिनेता हैं, जो अक्सर खुशी फैलाने के लिए अतिरिक्त मील चलते हैं। अपने एक्टिंग कोच विनोद रावत के लिए उनका हालिया इशारा इस बात का सबूत है। बता दें कि अभिनेता अपने अभिनय कोच की फीचर फिल्म पुश्तैनी को पेश करने के लिए बोर्ड पर आए हैं।विनोद इस फिल्म के साथ अपने निर्देशन की शुरुआत कर रहे हैं, जो 21 जून को स्क्रीन पर हिट होने के लिए तैयार है। खैर, यह फिल्म एक अभिनेता, निर्देशक, लेखक और निर्माता के रूप में रावत की फीचर डेब्यू को भी चिह्नित करती है और इसमें राजकुमार राव का कैमियो है।

ऋतिक रोशन ने अपने इंस्टाग्राम पर विनोद रावत की पुश्तैनी का ट्रेलर शेयर किया है। ट्रेलर शेयर करते हुए वो उनकी तारीफ करने से खुद को रोक नहीं पाए। अभिनेता ने खुलासा किया कि जब विनोद स्क्रिप्ट के साथ उनके पास आए थे, तो फाइटर स्टार वास्तव में फिल्म की कल्पना या कल्पना नहीं कर सकते थे। बाद में ऋतिक ने यह भी बताया कि लॉकडाउन के दौरान विनोद ने उन्हें बताया था कि वो अपने मूल स्थान पर फिल्म की शूटिंग करेंगे और पैसे की कमी के कारण उनके परिवार के सदस्य फिल्म में अन्य किरदार निभाएंगे। बाद में अभिनेता ने यह भी खुलासा किया कि कोविड ने परियोजना में बाधा डाली थी और रावत के पास आखिरी 15,000 रुपये बचे थे, लेकिन वह दृढ़ थे और परियोजना को पूरा किया।

फिल्म की तारीफ करते हुए, ऋतिक ने लिखा, मेरे अत्यंत आश्चर्य और खुशी के लिए फिल्म ने मुझे हंसाया, इसने मुझे रुला दिया और मैं पूरी तरह से अचंभित हो गया कि इस आदमी ने बिना किसी मदद के अकेले दम पर क्या हासिल किया था। पुश्तैनी के पास दिल था और इसने मेरा दिल जीत लिया था।

इंडियन 2 के बाद मिस यू से धूम मचाएंगे सिद्धार्थ

साउथ अभिनेता सिद्धार्थ इन दिनों इंडियन 2 को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। वहीं अब उनकी अगली फिल्म पर बड़ी जानकारी सामने आई है। अभिनेता की अगली फिल्म का नाम मिस यू है। सिद्धार्थ अपनी अगली रोमांटिक फिल्म मिस यू में काम करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। फिल्म का पहला पोस्टर भी अभिनेता आर माधवन, निर्देशक लोकेश कनगराज और शिवकार्तिकेयन द्वारा जारी किया गया है।

अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर पोस्टर शेयर करते हुए माधवन ने लिखा, कई अवॉर्ड जीतने वाली चिा के बाद मेरे प्यारे भाई सिड ने कई सालों के बाद एक प्रेम कहानी शुरू की है।

बीच पिच पर लड़े नेपाल और बांग्लादेश के खिलाड़ी

नई दिल्ली। बांग्लादेश क्रिकेट टीम ने टी20 वर्ल्ड कप 2024 के मैच में नेपाल को 21 रनों से हरा दिया। लेकिन इस मैच में कुछ ऐसा हो गया जिसे पूरे मैदान को हैरान कर दिया। मैच के दौरान नेपाल और बांग्लादेश के खिलाड़ी आपस में भिड़ गए। मामला इतना बढ़ गया कि दोनों लड़ने को तैयार हो गए थे। इस लो स्कोरिंग मैच में दोनों टीमें जीत की कोशिश में थीं। बांग्लादेश ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 106 रन बनाए थे। नेपाल की टीम काफी कोशिश के बाद भी ये लक्ष्य हासिल नहीं कर पाई और 19.2 ओवरों में 85 रनों पर ही ढेर हो गई।

तीसरे ओवर में हो गई लड़ाई

नेपाल की टीम चेज कर रही थी और अपने दो विकेट नौ रनों पर ही खो बैठी थी। तीसरा ओवर तनजीम हसन साकिब कर रहे थे। तीसरे ओवर में तनजीम ने दो विकेट गिरा दिए थे। इस ओवर की आखिरी गेंद पर नेपाल के कप्तान रोहित पॉडेल और तनजीम के बीच लड़ाई हो गई। तनजीम की गेंद को रोहित ने गली की तरफ खेला। यहां रन नहीं आया लेकिन तनजीम ने रोहित को घूरना शुरू कर दिया। इसके बाद रोहित भी उन्हें घूरने लगे। तनजीम फिर गुस्से में रोहित के पास गए और कुछ कहने लगे। रोहित भी गुस्से में आ गए और तनजीम से बहस करने लगे। दोनों एक दूसरे के काफी करीब आ गए थे। इस बीच अंपायरों और बाकी खिलाड़ियों ने दोनों को अलग किया और लड़ाई शांत कराई।

एक नजर

लोगों ने क्षेत्र की समस्याओं को लेकर किया प्रदर्शन, डीएम को भेजा ज्ञापन

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : क्षेत्र में पेयजल संकट से निदान दिलाने, धुमाकोट तहसील में एसडीएम की तैनाती करने, लचर स्वास्थ्य सेवाओं सहित विभिन्न मांगों को लेकर लोगों ने सोमवार को धुमाकोट में प्रदर्शन किया। इस दौरान ग्रामीणों ने शासन-प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। इस मौके पर लोगों ने डीएम को ज्ञापन भी भेजा।कार्यक्रम संयोजक कुलदीप रावत के नेतृत्व में लोगों ने प्रदर्शन किया। इस दौरान आक्रोशित ग्रामीणों ने कहा कि लंबे समय से धुमाकोट में एसडीएम का पद रिक्त है। जिससे ग्रामीणों को परेशानियों का सामना करना पड़ता है। ग्रामीणों ने सीएचसी नैनीडांडा, पीएचसी धुमाकोट सहित क्षेत्र के सभी सरकारी अस्पतालों में चिकित्सकों, फार्मासिस्ट, अन्य स्टाफ की नियुक्ति के साथ व्यवस्थाएं ठीक करने, सीएचसी नैनीडांडा में अल्ट्रासाउंड, एक्स-रे, रक्त परीक्षण आदि की सुविधाएं देने, क्षेत्र के अधिकांश गांवों, बाजारों में बढ़े पेयजल संकट का शीघ्र समाधान करने, जल संस्थान में नियमित फीटरों की नियुक्ति करने, अतिक्रमण के नाम पर धुमाकोट, जड़ाऊखांद आदि बाजारों में स्वरोजगार कर रहे लोगों के खोखे, शेल्टर आदि तोड़कर रोजगार विहीन कर जिनकी रोजी-रोटी छीन ली गई उनके लिए रोजगार की व्यवस्था करने की मांग की है। प्रदर्शन करने वालों में मनवर सिंह, महेंद्र सिंह, गबर सिंह, अर्जुन सिंह, महिपाल सिंह आदि शामिल रहे।

खोला गांव में पेयजल किल्लत

श्रीनगर गढ़वाल : खिर्सू के खोला गांव में पेयजल आपूर्ति सुचारु न होने से ग्रामीणों में रोष व्याप्त है। ग्रामीण हैंडपंप के सहारे ही पेयजल की आपूर्ति कर रहें है। ग्रामीण अनील, अनुज, सीमा घिल्ड़ियाल, विनोद घिल्ड़ियाल ने कहा कि बीते दो माह से खोला गांव में पेयजल आपूर्ति पूर्ण रूप से बाधित है। बताया कि हर घर नल हर घर जल योजना के तहत लगे कनेक्शनों में भी पेयजल आपूर्ति नहीं हो रही है। जिससे ग्रामीणों को हैडपंप के सहारे ही प्यास को बुझा रहें है। बताया कि गर्मी के सीजन शुरू होते ही गांव में पेयजल सम्बंधित शुरू हो जाती है। लोगों ने जल्द पेयजल आपूर्ति को सुचारु किए जाने की मांग की है। (एजेंसी)

प्राकृतिक स्रोत से पानी लाने को मजबूर लोग

चमोली : गैरसैंण प्रखंड के आदिबदरी तहसील के मज्याड़ी तल्ली गांव में एक माह से गांव में पेयजल संकट बना हुआ है। जिससे उपभोक्ता पेयजल के लिए दर-दर भटकने तथा निकटवर्ती प्राकृतिक स्रोत से पानी लाने को मजबूर हैं। ग्रामीण रघुवीर सिंह, ज्योति और गंगा सिंह का कहना है कि इस संबंध में पेयजल निगम के अधिकारियों को भी अवगत कराया जा चुका है। लेकिन विभाग इस बावत कोई कार्रवाई नहीं कर रहा है। बताया कि पेयजल किल्लत के कारण ग्रामीणों अपने और अपने मवेशियों के लिए पानी के लिए भटकना पड़ रहा है। (एजेंसी)

शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानन्द ने की बदरी विशाल की पूजा अर्चना

चमोली : ज्योतिष पीठ बदरिकाश्रम के शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानन्द चमोली मंगलम यात्रा पर हैं। यात्रा दर्शन के तीसरे दिन सोमवार को शंकराचार्य ने निर्जला एकादशी के अवसर पर बदरीनाथ में भगवान बदरीविशाल के दर्शन और पूजन किया। उनके साथ चमोली मंगलम यात्रा के साथ रहे साधू संतों और अनुयायियों ने भी भगवान बदरी विशाल की पूजा अर्चना की। अग्नितीर्थ में प्रोक्षण दर्शन के बाद, लीलाढुंगी, बामणी गांव की भगवती नन्दा देवी, बदरिकाश्रम की शक्ति भगवती उर्वशी देवी के दिव्य दर्शन किए। बदरीनाथ में मणिरत्नेश्वर महादेव का धर्म उत्सव पर शंकराचार्य भगवान शंकर का दुग्धाभिषेक भी किया। बदरीविशाल धाम में स्थित श्रीशंकराचार्य मठ शेष नेत्र आश्रम परिसर में विराजमान अद्भुत शक्तियों के केन्द्र सिद्ध स्फटिक शिला की पर भगवान भोले नाथ की अदभुत भगवान मणिरत्नेश्वर एकादशी के अवसर पर धर्म उत्सव मनाया गया। शंकराचार्य ने इस अवसर पर रुद्राभिषेक कर शिव अराधना की। (एजेंसी)

खाई में गिरा सब्जी से भरा ट्रक, चालक घायल

चमोली : हल्द्वानी से ग्वालदम-थराली की ओर आ रहा है एक सब्जी का ट्रक सोमवार की सुबह ग्वालदम के निकट दुर्घटनाग्रस्त हो गया। जिसमें चालक गंभीर रूप से घायल हो गया है। जिसका प्राथमिक उपचार प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ग्वालदम में किया जा रहा है।

भीषण गर्मी में ताजगी घोल रहा पहाड़ का बुरांस व माल्टे का जूस

कोटद्वार बाजार में लगातार बढ़ रही बुरांस व माल्टे के जूस की डिमांड

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : मैदानी क्षेत्रों में गर्मी का पारा लगातार बढ़ता जा रहा है। ऐसे में पहाड़ का बुरांस व माल्टे का जूस लोगों के शरीर में ताजगी घोल रहा है। कोटद्वार बाजार में भी बुरांस व माल्टे के जूस की डिमांड लगातार बढ़ रही है। बाजार में किफायती दरों पर बुरांस व माल्टे का जूस उपलब्ध है। गर्मी में बढ़ी डिमांड से पहाड़ की महिला समूह को भी बेहतर रोजगार उपलब्ध हो रहा है।

मार्च व अप्रैल माह में पर्वतीय क्षेत्रों में औषधीय गुणों से भरपूर बुरांस का फूल आकार लेता है। ऊंचाई क्षेत्र में खिलने वाले इन फूल से पहाड़ की महिलाएं जूस तैयार कर आसपास के बाजार तक पहुंचाती हैं। वर्तमान में मैदानी क्षेत्रों में लगातार गर्मी का प्रकोप बढ़ता जा रहा है। ऐसे में इस बार बुरांस व माल्टे के जूस की डिमांड भी अधिक बढ़ गई है। पहाड़ घूमने वाले पर्यटक भी बुरांस व माल्टे के जूस को खूब पसंद कर रहे हैं। बदरीनाथ मार्ग में माल्टा व बुरांस का जूस बेचने वाले राजेंद्र सिंह ने बताया कि इस वर्ष गर्मी के कारण डिमांड अधिक आ रही है। कई प्रवासी पूर्व में ही अपना आर्डर दे रहे हैं। बाजार में एक लीटर से लेकर पांच लीटर तक की जूस की बोतल उपलब्ध है। पहाड़ में तैयार आंवले का जूस भी लोगों को खूब पसंद आ रहा है।

कोटद्वार के बदरीनाथ मार्ग में बुरांस व माल्टे का जूस बेचता राजेंद्र सिंह

लाभदायक है बुरांस

बुरांस का जूस एक बहुत ही अच्छा एंटीआक्सीडेंट है जो त्वचा के लिए सबसे बेहतर है। बुरांस के फूलों से जैम, जूस व चटनी भी तैयार की जाती है। बुरांस में विटामिन सी होता है। यह सर्दी जुकाम के अलाव त्वचा व बालों के लिए भी लाभदायक है। गर्मी में बुरांस का जूस पीते ही शरीर में ताजगी आ जाती है। गढ़वाल से दिल्ली के लिए भी बुरांस का जूस सप्लाई हो रहा है।

डाक सेवकों को विभागीय कर्मचारी का दर्जा न देने पर रोष

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : अखिल भारतीय ग्रामीण डाक सेवा संघ ने डाक सेवकों को विभागीय कर्मचारी का दर्जा न दिए जाने पर रोष व्यक्त किया है। कहा कि डाक सेवकों की अनदेखी किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इस दौरान ग्रामीण डाक सेवकों ने वार्षिक लक्ष्य दिए जाने का भी घोर विरोध किया। कहा कि ग्रामीण डाक सेवकों को पेंशन का लाभ भी नही दिया जाता है।

सोमवार को प्रांतीय अध्यक्ष राजपाल सिंह नेगी की अध्यक्षता में ग्रामीण डाक सेवक संघ के परिमंडल की बैठक आयोजित की गई। बैठक में वक्ताओं ने विभाग के माध्यम से डाक सेवकों को वार्षिक लक्ष्य दिए जाने पर कड़ी आपत्ति जताई। कहा कि डाक सेवकों को अभी तक विभाग की तरफ से विभागीय कर्मचारी का दर्जा न दिया जाना दुर्भाग्यपूर्ण है। ग्रामीण डाक सेवक अपने कार्यों का ईमानदारी से निर्वहन कर रहा हैं। लेकिन, उन्हें पेंशन का लाभ भी नही दिया जाता है। ग्रामीण डाक सेवकों का कहना है कि उनकी जायज मांगों को लेकर केंद्र सरकार को सकारात्मक कदम उठाए जाने की जरूरत है। ताकि ग्रामीण डाक सेवक सेवानिवृत्ति के बाद अपना जीवन खुशहाली से व्यतीत कर सकें। इस मौके पर प्रांतीय सचिव जगदीश रावत, रघुनंदन गोदियाल, नंदकिशोर डोभाल, अतुल कुमार, विजय नैथानी मौजूद रहे।

संघर्ष समिति ने उचित मुआवजा न दिए जाने पर जताया रोष

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : आश्वासन के बाद भी प्रभावितों को उचित मुआवजा नहीं दिए जाने पर एनएचएआई विरोध संघर्ष समिति ने रोष जताया है। समिति ने बाजार भाव के हिसाब से ही प्रभावितों को मुआवजा देने की मांग उठाई। कहा कि प्रभावितों की अनदेखी किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। एनएचएआई विरोध संघर्ष समिति के अध्यक्ष आशीष रावत ने कहा कि वर्तमान में पट्टी सनेह क्षेत्र में बाईपास निर्माण के लिए भूमि अर्जन का कार्य चल रहा है। बाईपास निर्माण के लिए प्रशासन के माध्यम से नाथूपुर, विशनपुर, जीतपुर, रतनपुर, ग्रास्टनगंज क्षेत्र के काश्तकारों की भूमि अर्जन की जा रही है। लेकिन प्रशासन की तरफ से मनमाने तरीके से मुआवजा निर्धारित किया गया है। जिससे काश्तकार बिल्कुल भी संतुष्ट नहीं है। काश्तकार बाजार भाव से मुआवजे की मांग कर रहे हैं। प्रशासन की तरफ से अभी तक गोल खातों का मुआवजा दिए जाने के लिए स्पष्ट नहीं किया गया कि किन लोगों को मुआवजा दिया जाएगा। कहा कि गोल खातों में जिन लोगों के मकान बने हैं, उन्हीं को मुआवजा दिया जाए। इसके अलावा विगत कई सालों से निवास करने वाले प्रभावित अनूसूचित जाति, जनजाति के भूमिहीनों, पट्टाधारकों को भी उचित मुआवजा दिया जाए, ताकि वे लोग अन्य जगह पर अपना आवास बना सकें। संघर्ष समिति ने प्रधानमंत्री से प्रभावितों की समस्याओं का तत्काल समाधान करने के लिए संबधित विभाग के अधिकारियों को निर्देशित करने की मांग की है।

कूड़ा डंपिंग जोन में लगी आग, लोग परेशान

कूड़े में आग की रोकथाम के लिए ठोस कदम उठाने की मांग

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : जिले में आग की घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही है। तापमान बढ़ने से लगातार आग की घटनाओं में इजाफा हो रहा है। नगर पालिका द्वारा पौड़ी-श्रीनगर हाईवे पर तिमली बैंड पर फेंके जा रहे कूड़े में सोमवार को आग लग गई। आग लगने से चारों ओर धुआं फैल गया, जिस कारण लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची फायर बिग्रेड कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। शहर में ट्रंचिंग ग्राउंड की व्यवस्था नहीं होने के चलते नगर पालिका द्वारा तिमली बैंड पर कूड़ा डंप किया जाता है। यहां पर आए दिन आग लगने से शहर वासियों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। सोमवार को एक बार फिर तिमली बैंड पर नगर पालिका द्वारा फेंके जा रहे कूड़े में आग लग गई। जिससे यहां रहने वाले लोगों के साथ ही यहां से आवाजाही करने वाले लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ा। स्थानीय युवा आयुष भंडारी ने कहा कि आए दिन नगर पालिका द्वारा डंप किए जा रहे कूड़े में आग लगने से शहरवासियों को परेशानियों का सामना करना पड़ता है। पालिका ने यहां पर आग लगाने वालों को पकड़ने के लिए सीसीटीवी कैमरे भी लगाए, लेकिन इसके बाद भी शहर वासियों को कूड़े में आग लगने की समस्या से निजात नहीं मिल पा रही है।

बागवान की बेटी अलका सेना में बनी अफसर

श्रीनगर गढ़वाल : विकासखंड कीर्तिनगर के ग्राम सभा बागवान की अलका रावत भारतीय सेना में शॉर्ट सर्विस कमीशन पास कर ऑफिसर बनी हैं। अलका अभी कमान अस्पताल दक्षिणी कमान पुणे में अपनी सेवाएं दे रही हैं। अलका के सेना में ऑफिसर बनने पर क्षेत्र में खुशी का माहौल बना हुआ है। घर में बधाई देने के लिए लोगों का तांता लगा हुआ है। अलका रावत ने बीते 14 जून को पुणे में पासिंग आउड परेड में लेफ्टिनेंट के पद पर तैनात होकर क्षेत्र का नाम रोशन किया है। लेफ्टिनेंट अलका रावत के पिता हरि सिंह रावत ने बताया कि अलका का बचपन से ही सेना में जाकर देश सेवा करने का सपना रहा। अलका को बधाई देने वालों में दादी विश्म्बरी देवी, ग्राम प्रधान बागवान नरेश प्रसाद कोठियाल, प्रवीण रावत, नरेंद्र रावत, शूरवीर सिंह रावत, सते सिंह रावत, अभिषेक रावत, विक्रम सिंह रावत आदि ने खुशी जाहिर की है। (एजेंसी)

ईद पर खुदा की इबादत में झुके सिर, गले मिलकर दी मुबारकबाद

कोटद्वार व आसपास के क्षेत्र में हर्षोल्लास से मनाया गया ईद का त्योहार

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : सोमवार को कोटद्वार व आसपास के क्षेत्र में ईद-उल-अजहा का त्योहार हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। मुस्लिम समुदाय के लोगों ने एक-दूसरे को गले लगाकर ईद की बधाईयां दी। इस दौरान समुदाय ने खुदा की इबादत में सिर झुकाते हुए अपने देश व परिवार के लिए सुख-शांति की कामना की।

सोमवार को नमाजियों ने सिद्धबली मार्ग स्थित ईदगाह में नमाज अता की। बड़ी संख्या में पहुंचे नमाजियों को मौलाना बदरूल अंसारी ने नमाज अता करवाई। मौलाना ने कहा कि ईद-उल-अजहा त्याग व नेकी का प्रतीक है। ईद लोगों में बेपनाह खुशियां बांटती है और आपसी मोहब्बत का पैगाम देती है। अल्लाह ने हमें सच्चाई के मार्ग पर चलने का संदेश दिया है।

उन्होंने समुदाय के लोगों से अपने बच्चों को भी बेहतर सीख देने की अपील की। कहा कि अल्लाह के बताए मार्ग पर चलने वाले व्यक्ति के सभी दुःख दूर हो जाते हैं। इस दौरान मुस्लिम समुदाय ने अल्लाह की इबादत में अपने सिर झुकाते हुए अमन-चैन की दुआएं मांगी। इस मौके पर पुलिस का भी सख्त पेहरा देखने को मिला। शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए दो दिन पूर्व ही कोतवाली में शांति समिति की भी बैठक आयोजित की गई थी।

कोटद्वार के ईदगाह में नमाज अता करते मुस्लिम समुदाय के लोग

सोने की चेन झपटने वाली दो महिलाएं गिरफ्तार, एक फरार

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : भाबर क्षेत्र के दुर्गापुरी में महिला के गले से सोने की चेन झपटने वाली दो महिलाओं को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। जबकि, मामले में एक अन्य महिला अब भी फरार चल रही है। महिला की गिरफ्तार के लिए पुलिस की विशेष टीम गठित की गई है।

15 जून को भागूवाला मोनपुर निवासी कांति देवी दुर्गापुरी में अपने बीमार भाई को देखने के लिए आटो से जा रही थी। उक्त आटो में पहले से ही तीन अन्य महिलाएं भी बैठी हुई थी। दुर्गापुरी में जैसे ही कांति देवी ने आटो चालक को पैसे देकर गले पर हाथ लगाया तो उनके गले से सोने की चेन गायब थी।

इससे पहले कांति देवी कुछ समझ पाती ऑटो सवार तीनों महिलाएं भागने लगी। पीड़िता की तहरीर के बाद पुलिस ने मामले में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी थी। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक मणीभूषण श्रीवास्तव ने बताया कि मामले में राजस्थान ग्राम सर्वेश्वर नगर जिला दौसा निवासी कश्मिा पुत्री चंदू व राजस्थान डीग जिला, ग्राम नंगला निवासी निशा को गिवईस्रोत तिराहे के समीप गिरफ्तार किया गया। जबकि, एक अन्य महिला सोनी पत्नी विशाल लूट का माल लेकर राजस्थान चली गयी है। जिसकी गिरफ्तारी हेतु पुलिस टीम प्रयासरत है।

कोटद्वार कोतवाली में पुलिस हिरासत में पकड़ी गई महिलाएं

नगर पंचायत का केदारनाथ में सफाई व्यवस्था पर फोकस

रूद्रप्रयाग : केदारनाथ में नगर पंचायत निरंतर सफाई अभियान चलाकर धाम को स्वच्छ रखने में कोई कोई कसर नहीं छोड़ रही है। यहीं कारण है कि तीर्थपुरोहितों ने भी नगर पंचायत केदारनाथ की सफाई व्यवस्था की सराहना की है। सोमवार को भी नगर पंचायत ने केदारनाथ में धाम और आसपास विशेष सफाई अभियान चलाया।

जिलाधिकारी सौरभ गहरवार और एसडीएम ऊखीमठ अनिल शुक्ला के निर्देशों पर नगर पंचायत केदारनाथ के अधिशासी अधिकारी चन्द्रशेखर चौधरी की मौजूदगी में लगातार सफाई अभियान चलाया जा रहा है। समय-समय पर चलाए जा रहे अभियान में बड़ी मात्रा में कूड़ा एकत्र किया जा रहा है। अभियान में रास्तों के साथ ही नदी किनारे गिरी गंदगी को हटाया गया। जबकि यात्रियों के साथ ही स्थानीय लोगों को जागरूक किया गया। (एजेंसी)

धुमाकोट क्षेत्र में पेयजल के लिए तरस रहे लोग

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : लगातार तापमान बढ़ने से जगह-जगह पेयजल संकट उत्पन्न हो गया है।

पेयजल के लिए लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। नैनीडांडा ब्लॉक के अधिकांश बाजार और गांव इन दिनों पेयजल संकट से गुजर रहे हैं। कई बार शिकायत के बावजूद भी समस्या का समाधान नहीं हो पा रहा है। हालांकि जल संस्थान की ओर से पानी की व्यवस्था के लिए टैंकर लगाए जा रहे हैं।

क्षेत्र के धुमाकोट, कसाना, जड़ाऊखांद, अदालीखाल, देवलाड, डुंगरी, बसोली, खिरेरीखाल, पंजारा, चुलसिया, जमणधार सहित क्षेत्र के अधिकांश बाजारों और गांवों के लोग पेयजल के लिए तरस रहे हैं। लोग मीलों दूर प्राकृतिक स्रोतों से पानी ढोने के लिए मजबूर हैं। स्थानीय निवासी बालम नेगी, जगमोहन पटवाल, बचे सिंह रावत, आनंद सिंह, आरके ध्यानी आदि का कहना है कि भीषण जल संकट के बावजूद जल संस्थान के अधिकारी क्षेत्र में नहीं पहुंचते हैं। सभी फीटर रिटायर हो चुके हैं। उनके स्थान पर कोई नियुक्ति नहीं हुई है।

जल स्रोतों में अभी भी इतना पानी है कि क्षेत्र की पेयजल आपूर्ति हो सके, लेकिन कर्मचारियों व मेंटिनेंस के अभाव में जल स्रोतों से पानी उपभोक्ताओं तक नहीं पहुंच पा रहा है। जगह-जगह पाइप लाइन पर लीकेज है, जिसे ठीक करने से पेयजल आपूर्ति सुधर सकती है। ग्रामीणों का कहना है कि टैंकर के बजाए हर पेयजल योजना पर तुरंत कर्मचारियों की व्यवस्था करके स्रोतों की सफाई व पाइप लाइन की मरम्मत करके ग्रामीणों तक पेयजल आपूर्ति की जाए। चेतावनी दी कि विभाग ने शीघ्र कार्यवाही नहीं की तो आक्रोशित जनता उग्र आंदोलन के लिए मजबूर होगी। वहीं, जल संस्थान के अवर अभियंता प्रमोद रावत का कहना है कि जल स्रोतों में पानी की कमी के चलते समस्या बढ़ रही है। समस्या का समाधान करने के लिए प्रयास किए जा रहे हैं।

निर्माण कार्य में गुणवत्ता का रखें विशेष ध्यान

विस अध्यक्ष ने किया निर्माण कार्यों का निरीक्षण

जयन्त प्रतिनिधिः कोटद्वार : विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूडी भूषण ने क्षेत्र में चल रहे निर्माण कार्यो का निरीक्षण करते हुए अधिकारियों को गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। कहा कि गुणवत्ता में कमी दिखने पर ठेकेदार का भुगतान रोक दिया जाएगा। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों को भी समय-समय पर कार्यों का निरीक्षण करने के सख्त निर्देश दिए।

सोमवार को विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूडी भूषण विभागीय अधिकारियों के साथ कण्वाश्रम पहुंची। जहां उन्होंने राजा भरत की जन्मस्थली पर बन रहे राजा भरत के स्मारक का निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों को कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। कहा कि विकास कार्यों में कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। तत्पश्चात विधानसभा अध्यक्ष सनेह क्षेत्र में पहुंची, जहां पर उन्होंने पुलियाओं का निरीक्षण किया। साथ ही बाढ़ सुरक्षा कार्यों का भी मौका मुआयना किया। विधानसभा अध्यक्ष ने अधिकारियों को वर्षाकाल से पहले समस्त निर्माण कार्य पूरा करवाने के लिए निर्देशित किया। कहा कि हर हाल में विकास कार्यों को वर्षाकाल से पहले पूरा करना जरूरी है, ताकि लोगों को परेशानियों का सामना न करना पड़े। इस मौके पर सिंचाई विभाग के अधिशासी अभियंता अजय जॉन, लोक निर्माण विभाग के अधिशासी अभियंता डीपी सिंह, गोपाल दत्त जखमोला मौजूद रहे।

कोटद्वार में विकास कार्यों का निरीक्षण करती विस अध्यक्ष ऋतु खंडूडी भूषण

29 जून को होगा जौनपुर का राज मौण मेला

नई टिहरी : जौनपुर का ऐतिहासिक राज मौण मेला आगामी 29 जून को आयोजित होगा। मेले को लेकर क्षेत्र के लोगों की एक बैठक लोक निर्माण विभाग के गेस्ट हाउस नैनबाग में संपन्न हुई। जिसमें मौण मेले के संबंध में सभी बिंदुओं पर चर्चा और विचार विमर्श किया गया। जौनपुर का ऐतिहासिक राजमौण मेला अगलाड़ नदी में मछलियों को पकड़ने के साथ-साथ ढोल नगाड़ों की थाप पर जौनपुरी रासो तांदी नृत्य भी किया जाता है। जौनपुर क्षेत्र के साथ-साथ जौनसार, रवांई क्षेत्र के लोगों के साथ-साथ विकास नगर पछवादून के लोग इस मौण मेले में पहुंचकर मछली पकड़ने के साथ-साथ रवांई-जौनपुर-जौनसार की संस्कृति को कायम रखते हुए खूब आनंद लेते हैं। क्षेत्र के लोगों के साथ-साथ देश-विदेश के पर्यटक भी मौण मेले में पहुंचते हैं। बैठक में प्रदीप कवि, शिव प्रसाद कवि, श्याम सिंह चौहान, गंभीर सिंह रावत, प्रधान दिनेश खन्ना, गुलशन कवि, अनिल बिजल्वाण, मंसाराम कवि, महिशानंद कवि, राजेश राणा, दिनेश कुमार, संदीप चौहान, अर्जुन सिंह मातली, अर्जुन रावत, रणवीर सिंह रावत, श्याम सिंह चौहान, मंसाराम, शांति सिंह चौहान, विक्रम सिंह चौहान, सुरवीर सिंह चौहान, राजेश राणा आदि लोग मौजूद। (एजेंसी)

घाट पिनोला में नाले में मिला शव, पीएम रिपोर्ट का इंतजार

चमोली : बदरीनाथ नेशनल हाईवे से लगे हुए जोशीमठ के पिनोला घाट गांव के नीचले हिस्से में बहने वाले नाले में एक शव मिला है। पुलिस के अनुसार मृतक लाल सिंह उम्र 56 पुत्र कलम सिंह पिनोला घाट का ही रहने वाला था और विगत एक सप्ताह से लापता चल रहा था। थाना प्रभारी गोविन्दघाट लक्ष्मी प्रसाद ने बताया कि विगत 7-8 दिनों से मृतक लाल सिंह लापता चल रहा था व उसके गुम होने की सूचना उसके परिजनों ने पुलिस को दी थी। बताया कि रविवार की देर रात्रि को मृतक के ही परिजनों ने पुलिस को सूचित किया कि लापता मृतक का शव गांव के नीचे की ओर नाले में पड़ा हुआ है। जिसके बाद पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर सीएचसी जोशीमठ में उसका पीएम करवाया। बताया कि शव कुछ काला पड़ा हुआ है, लेकिन संभवतः ऐसा काफी दिनों से लाश का नाले में पड़े होने के कारण हो सकता है।

कार्यालय, अधिशासी अभियन्ता, निर्माण खण्ड, लो0नि0वि0, दुगड्डा।
उत्तराखण्ड लोक निर्माण विभाग

पत्रांकः- 2168/18ए0सी0 दिनांकः- 07/06/2024

अल्पकालीन निविदा सूचना

माननीय राज्यपाल, उत्तराखण्ड की ओर से अधोहस्ताक्षरी द्वारा निम्नलिखित कार्यों हेतु सील्ड निविदा दि0 25/06/2024 को अपरान्ह 3:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र दिनांक 18/06/2024 से 24/06/2024 तक किसी भी कार्य दिवस में निम्नलिखित कार्यालयों से प्राप्त किये जा सकते है तथा दिनांक 25/06/2024 को अपरान्ह 3:00 बजे तक इन्हीं कार्यालयों में डाले जा सकते हैं :-

1- अधीक्षण अभियन्ता, 12 वां वृत्त, लो0नि0वि0, पौड़ी। 2- अधिशासी अभियन्ता, निर्माण खण्ड, लो0नि0वि0, दुगड्डा।
3- अधिशासी अभियन्ता, प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0 लैन्सडौन। 4- अधिशासी अभियन्ता, अस्थाई खण्ड, लो0नि0वि0, ऋषिकेश।

क्र0 सं0	कार्य का नाम	धरोहर धनराशि (रू0 में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रू0 में)	निविदा की वैधता	कार्य पूर्ण करने की अवधि	ठेकेदारों की श्रेणी
1	2	3	4	5	6	7
1	जिला खनिज न्यास निधि के अन्तर्गत ग्राम सिलड़ी में भूधंसाव से आवासीय भवनों की सुरक्षा हेतु ब्रेस्टवाल निर्माण कार्य।	38,500.00	1,500.00+ जी0एस0टी0	60 दिन	01 माह	मार्ग कार्य में श्रेणी डी0 एवं उच्चतर।

निविदा दिनांक 26/06/2024 को पूर्वाह्न 11:00 बजे उपस्थित निविदादाताओं अथवा अधिकृत प्रतिनिधियों के समक्ष अधिशासी अभियन्ता, निर्माण खण्ड, लो0नि0वि0, दुगड्डा में कार्यालय में खोली जायेगी। अन्य शर्तें निविदा पत्र के साथ देखी जा सकेगी। किसी भी निविदा को स्वीकृत/अस्वीकृत करने का अधिकार सक्षम अधिकारी के पास सुरक्षित होगा।

अधिशासी अभियन्ता
निर्माण खण्ड, लो0नि0वि0
दुगड्डा (गढ़वाल)

एक नजर

केदारनाथ आपदा में मृत लोगों को श्रद्धांजलि दी

रूद्रप्रयाग : वर्ष 2013 में आई केदारनाथ आपदा के 11 साल बीत जाने पर केदारनाथ में श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गई। जिसमें आपदा में मृत लोगों को श्रद्धांजलि दी गई। साथ ही उनकी आत्मा की शांति की प्रार्थना बाबा केदार से की गई। केदारनाथ में 16 और 17 जून 2013 में आई आपदा में बड़ी संख्या में यात्री, स्थानीय लोग, मजदूर, साधु संत जीवन गंवा चुके थे। इसके बाद हर साल 17 जून को केदारनाथ में तीर्थपुरोहित, केदारसभा, प्रशासन, पुलिस एवं यात्रियों द्वारा श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया जाता है। सोमवार को केदारनाथ में श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गई, जिसमें तीर्थपुरोहितों के साथ ही बीकेटीसी कर्मी, पुलिस, प्रशासन के कर्मचारी एवं यात्रियों ने भाग लिया। इस मौके पर दो मिनट का मौन रखते हुए आपदा में मृत लोगों को श्रद्धांजलि दी गई। (एजेंसी)

पानी की बूंद-बूंद को भटक रहे लोग

चमोली : बदरीनाथ विधानसभा उपचुनाव के बीच कई क्षेत्रों में जनता पीने के पानी के लिए त्राहि त्राहि कर रही है। जबकि जिले में अलकनंदा, नन्दाकिनी, पिंडर जैसी बड़ी नदिया बह रही है। बावजूद इसके कई क्षेत्रों में पेयजल संकट पैदा हो रखा है। चमोली जिले के रानों तल्ली तोक निवासी दर्शन भंडारी का कहना है कि उनके गांव और साथ लगते क्षेत्रों में जनता बूंद-बूंद पानी के लिए भटक रही है। पानी के लिए जल संस्थान के अधिकारियों को कई बार शिकायत की। लेकिन समस्या का समाधान नहीं हुआ। (एजेंसी)

वनाग्नि के लिए नौकरशाह भी हों जिम्मेदार : जुगरान

देहरादून। भाजपा नेता रवीन्द्र जुगरान ने अल्मोड़ा जिले में चार वन कर्मियों की मौत और चार वन कर्मियों के वनाग्नि से जुझते हुए घायल हो जाने पर दुख जताते हुए कहा कि वनाग्नि के लिए अफसरों के साथ नौकरशाह भी जिम्मेदार हों। उनके खिलाफ भी सरकार कार्रवाई करे। जुगरान ने कहा कि प्रदेश में आईएफएस अफसरों के विशालकाय ढांचे के बावजूद भी काम सतह पर कहीं दिखाई नहीं पड़ता। वनाग्नि हो या खतरनाक प्रवृत्ति के कार्य उनसे जुझते हुए आउटसोर्सिंग कर्मी या सबसे निचले स्तर के कर्मी ही दिखाई पड़ते हैं। नौकरशाहों और अधिकारियों के उत्तरदायित्व का निर्धारण जरूरी है। रवीन्द्र जुगरान ने कहा कि बिना सुरक्षा उपकरणों एवं बिना ट्रेनिंग के वनाग्नि रोकथाम एवं खतरनाक प्रवृत्ति के कार्यों में आउटसोर्सिंग कर्मी व निचले स्तर के कर्मियों को झोंक दिया जाता है। जबकि उनके लिए मुआवजा राशि देने की कोई नीति भी नहीं है। उन्होंने फायर फाइटिंग ट्रेनिंग ना देना,आउट सोर्सिंग कर्मचारियों का वेतन न दिया जाना, समय से फायर लाइन न बनाना,वन पंचायतों के चुनाव न कराना वन पंचायतों को सक्रिय न करना, अग्निशमन वाहनों का न होना आदि को मुख्य कारण बताया।

महिला स्वास्थ्य पर देशभर के स्त्री रोग विशेषज्ञों ने रखी राय

देहरादून। महिलाओं के स्वास्थ्य, उनके खानपान और स्त्री रोगों से जुड़ी नई रिसर्च पर देशभर के स्त्री रोग विशेषज्ञों ने तीन दिन तक दून में मंथन किया। मसूरी रोड स्थित होटल में रविवार रात को कार्यशाला के समापन पर पोस्टर और क्विज प्रतियोगिता भी हुई। स्त्री रोग विशेषज्ञों ने कार्यशाला के अपने अनुभवों को भी साझा किया। फॉग्सी फूड, ड्रग्स और मेडिकोसर्जिकल इक्यूपमेंट कमेटी की राष्ट्रीय कार्यशाला में अलग-अलग सत्र का आयोजन किया गया। आयोजन की मीडिया संयोजक डॉ.सर्वेश्वरी नौटियाल और डॉ.वैश्णवी पुरोहित ने बताया कि कार्यशाला में महिलाओं की सेहत को लेकर गंभीर चर्चा हुई। खासतौर पर नई चुनौतियों से निपटने पर विमर्श हुआ। महिलाओं के स्वास्थ्य से जुड़ी कई रिसर्च को भी यहां रखा गया। देशभर के नामी डॉक्टरों की ओर से अपने अनुभव भी साझा किए गए। इसके अलावा स्वास्थ्य के क्षेत्र में नई तकनीक और एआई के इस्तेमाल के साथ ही भविष्य में हेल्थ सेक्टर के तकनीक आधारित होने पर भी चर्चा हुई। इस मौके पर महिला स्वास्थ्य के क्षेत्र में विशेष योगदान के लिए डॉ. सविता लूथरा, डॉ.ज्योति शर्मा को सम्मानित भी किया गया। उन्होंने कहा कि आयोजन में कमेटी की देहरादून की अध्यक्ष डॉ.रितु खन्ना, फॉग्सी के अध्यक्ष डॉ.जयदीप टैंक, डॉ.माधुरी पाटिल, डॉ.अजय मैन, डॉ.चार्मिला का कार्यशाला आयोजन में विशेष भूमिका रही। कार्यशाला में डॉ.मीनू वैश्य, डॉ.रीना आहूजा, डॉ.मनीषा सिंह, डॉ.राधिका रतूड़ी, डॉ.विनीता गुप्ता, डॉ.रुचि नौटियाल समेत अन्य मौजूद रहे।

कार्यों को उलझाने के बजाए सुलझाने की प्रवृत्ति रखें अधिकारी : धामी

दूरस्थ क्षेत्रों में बिजली सुधार हेतु लगेंगे कैंप

जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सोमवार को नैनीताल क्लब में विभागीय अधिकारियों के साथ मानसून की तैयारियों और विभागीय समीक्षा बैठक की। उन्होंने कहा कि सरकारी योजनाओं का लाभ हर व्यक्ति हर वर्ग तक पहुंचाना हमारी प्राथमिकता है। इससे लिए सभी अधिकारी आपसी समन्वय के साथ बेहतर योजना के साथ कार्य करें।

बैठक लेते हुए सीएम पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि कई बार शिकायत मिलती है, तो अधिकारी आम जन के कार्यों को उलझा देते है, जबकि अधिकारियों की प्रवृत्ति कार्यों को सुलझाने की होनी चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को सख्त हिदायत देते हुए कहा कि आम जन को ध्यान में रखकर कार्य करें। इसके लिए विभागीय अधिकारी को जिम्मेदारी लेनी होगी तभी आम जन के कार्य आसानी से होंगे, यही सरकार की प्राथमिकता और उद्देश्य है कि आम जन के कार्य जल्द से जल्द हो और बेहतर सुविधा मिल सके। सीएम ने बिजली विभाग की समीक्षा करते हुए कहा कि आए दिन विभिन्न सोशल मीडिया से जानकारी मिलती है कि जनता की बिजली खपत से ज्यादा उनके बिजली के बिल आ रहे है। इस संबंध में सीएम ने विद्युत विभाग के चीफ इंजीनियर को दूरस्थ क्षेत्रों में बिजली सुधार के कैंप लगाने के निर्देश दिए। इसके साथ ही सभी बिजली घरों में भी आम जन को बिजली बिल सुधार की व्यवस्था उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। सीएम ने कहा कि पिछले वर्ष की तुलना में इस साल दुगने यात्री आदि कैलाश यात्रा पर आए हैं। इससे जाहिर है कि भविष्य में और अधिक यात्रियों के आने की संभावना है। हमें आने वाले यात्रियों की संख्या को देखते हुए सुविधाएं विकसित करनी होगी।

इस दिशा में कुमाऊं आयुक्त और एमडी केएमवीएन को कार्य करने के निर्देश दिए। गौरतलब है कि पिछले साल पूरे सीजन में 315 यात्री केएमवीएन से आदि कैलाश गए थे, जबकि इस साल अब तक 610 यात्री आदि कैलाश की यात्रा कर चुके है। साथ ही लगभग 15 हजार लोगों को इनर लाइन परमिट जारी की गई है। बैठक में कुमाऊं आयुक्त दीपक रावत, एपीसीसीएफ विवेक पांडेय, जिलाधिकारी वंदना सिंह, एसएसपी पी.एन मीणा, जिलाध्यक्ष प्रताप सिंह बिष्ट, मंडी परिषद अध्यक्ष अनिल कपूर, दिनेश आर्य, विधायक नैनीताल सरिता आर्य, भीमताल राम सिंह कैड़ा, डायरेक्टर कॉर्बेट डॉ. धीरज पांडेय, एमडी केएमवीएन डॉ. संदीप तिवारी, मुख्य नगर आयुक्त विशाल मिश्रा, डीएफओ टीआर बीजूलाल, हिमांशु बागड़ी, यूसी तिवारी, पीसी आर्य, अपर जिलाधिकारी पीआर चौहान, शिव चरण द्विवेदी सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

मानसून से पहले सभी अधिकारी पूरा करें कार्य

बैठक में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मानसून की तैयारी की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि मानसून से पहले सड़कों का पैच वर्क, चौड़ीकरण आदि का कार्य पूरा कर लें। साथ नगर निगम के अधिकारियों को नालियों के साफ-सफाई आदि के कार्य पूरे करने के निर्देश दिए। कहा कि बरसात के दौरान स्वास्थ्य सेवाओं, बिजली, पानी आदि की व्यवस्था पूरी करें। जिससे लोगों को परेशानी का सामना नहीं करना पड़े। उन्होंने सभी विभाग के अधिकारियों को मानसून में अधिक से अधिक पौधरोपण करने के निर्देश दिए। साथ ही पौधों को संरक्षण करने की बात कही।

भीमताल में पार्किंग बनाने के निर्देश

भीमताल विधायक राम सिंह कैड़ा ने बताया भीमताल में पार्किंग व्यवस्था नहीं होने से पर्यटकों को परेशानी और जाम की स्थिति बनी रहती है। जिस पर मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि भीमताल समेत आसपास के इलाकों में स्थाई और अस्थाई पार्किंग के लिए जगह चिन्हित करने करें और इंटर कालेज से समन्वय कर स्कूल की भूमि में छोटी पार्किंग बनाकर जाम की समस्या का समाधान हो सकता है।

साइबर ठगी के शिकार हुए एसजीआरआरयू के कुलपति, लाखों गंवाए

देहरादून : श्री गुरु राम राय विश्वविद्यालय (एसजीआरआरयू) के कुलपति साइबर ठगी का शिकार हो गए। साइबर ठगों की बनाई एप पर शेयर ट्रेडिंग कर मोटी कमाई के झांसे में 22.75 लाख रुपये गंवा बैठे। उनकी तहरीर पर साइबर थाना पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

डा. यशबीर दीवान हाल निवासी गेस्ट हाउस श्री गुरु राम राय इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल एंड हेल्थ साइंसेज, पटेल नगर ने एसएसपी एसटीएफ कार्यालय में तहरीर दी। कहा कि बीते फरवरी में इंस्टाग्राम पर एक रील देखी। रील में उनकी एप के जरिए शेयर ट्रेडिंग कर मोटी कमाई का झांसा दिया गया। पीड़ित रील में दिए गए लिंक के जरिए एक व्हाट्सएप ग्रुप में जुड़ गए। ग्रुप में प्रतिदिन शेयर खरीदने और बेचने की जानकारी आती थी। मार्च 2024 में ग्रुप में डा. यशबीर दीवान ने शेयर खरीदने बेचने की इच्छा जाहिर की। ग्रुप में शामिल एक एडमिन ने नया ग्रुप बनाया। जिसमें पीड़ित को जोड़ा। उसमें कुल 11 सदस्य जुड़े हुए थे। पुराने ग्रुप से पीड़ित को हटा दिया गया। नए ग्रुप में शामिल एक व्यक्ति ने पीड़ित को अपनी बताई एक एप डाउनलोड करने को कहा। पीड़ित ने उक्त एप को डाउनलोड कर लिया। एप में शेयर ट्रेडिंग के लिए ट्रांजेक्शन शुरू की। इस दौरान ऑनलाइन काफी लाभ दिखाया गया। इस तरह झांसे में आकर पीड़ित ने कुल 22.75 लाख रुपये जमा कर दिए। इसके बाद रकम वापस निकालने की कोशिश की तो पता लगा कि वह साइबर ठगों के झांसे में आ गए हैं। साइबर थाने के डिप्टी एसपी अंकुश मिश्रा ने बताया कि पीड़ित की तहरीर पर अज्ञात साइबर ठगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच की जा रही है। (एजेंसी)

पूर्व मंत्री ने प्रदेश सरकार को लिया आड़े हाथों

नई टिहरी : पूर्व काबीना मंत्री, मंत्री प्रसाद नैथानी ने श्री विश्वनाथ जगदीशिला भगवान की 25वीं यात्रा पूरे प्रदेश में सफलता पूर्वक संपन्न होने पर सभी सहयोगियों का आभार जताते हुए कहा कि डोली ने इस बार 25वीं यात्रा पूरी करने के साथ ही साढ़े दस हजार किमी. का सफर तय कर पूरा किया है। इस यात्रा के दौरान प्रदेश में सामने आने वाली विभिन्न समस्याओं को लेकर प्रदेश सरकार को आड़े हाथों लिया। सोमवार को मंत्री प्रसाद नैथानी नई टिहरी मुख्यालय पर पत्रकारों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि श्री विश्वनाथ जगदीशिला डोली को 25वीं यात्रा सफलता पूर्वक प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों के लोगों के सहयोग से पूरी हुई है। इस दौरान प्रदेश के लाखों लोगों ने सुख-समृद्धि के भगवान जगदीशिला से आशीर्वाद प्राप्त किया।

उप चुनाव को लेकर मतदान कार्मिकों का हुआ प्रथम रेंडामाइजेशन

जयन्त प्रतिनिधि।

चमोली : बद्रीनाथ विधानसभा उप निर्वाचन को स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं पारदर्शिता के साथ संपन्न कराने को लेकर जिला निर्वाचन अधिकारी हिमांशु खुराना की अध्यक्षता में सोमवार को एनआईसी कक्ष में पोलिंग कार्मिकों का पहला रेंडमाइजेशन किया गया। जिला निर्वाचन अधिकारी ने विभागाध्यक्षों को निर्देशित किया है कि चुनाव में लगे अपने-अपने विभाग के कर्मचारियों को निर्वाचन ड्यूटी आदेश तामील कराना सुनिश्चित करें।

सॉफ्टवेयर रेंडमाइजेशन प्रक्रिया से बद्रीनाथ विधानसभा के 210 मतदेय स्थलों के लिए 1280 कार्मिकों का चयन किया गया है। इसमें 288 पीठासीन अधिकारी, 288 प्रथम मतदान अधिकारी, 377 द्वितीय मतदान कार्मिक और 327 तृतीय मतदान कार्मिक शामिल है। उप निर्वाचन के लिए कुल आवश्यकता का 125 प्रतिशत कार्मिकों का रेंडमाइजेशन किया गया। प्रथम रेंडमाइजेशन के उपरांत चयनित मतदान कार्मिकों को ड्यूटी आदेश निर्गत कर दिए गए है। मतदान कार्मिकों को 22 जून को पीजी कॉलेज गोपेश्वर में पहला प्रशिक्षण दिया जाएगा। प्रशिक्षण कार्य को चुनाव आयोग के दिशा निर्देशों के अनुरूप संपन्न कराने के लिए सभी तैयारियां पूर्ण कर ली गई है। रेंडमाइजेशन के दौरान नोडल अधिकारी कार्मिक अभिनव शाह, उप जिला निर्वाचन अधिकारी विवेक प्रकाश, रिटर्निंग ऑफिसर आरके पांडेय, सहायक नोडल कार्मिक कुलदीप गैरोला, जिला सूचना विज्ञान अधिकारी हेमंत मौर्य, सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी डीसी सती आदि मौजूद थे।

ओडिशा के राज्यपाल ने लिया बाबा केदार, बदरी विशाल का आशीर्वाद

रूद्रप्रयाग : ओडिशा के राज्यपाल रघुबर दास ने सोमवार को बाबा केदार और बदरी विशाल के दर्शन किए। इस दौरान उन्होंने पूजा अर्चना कर भगवान से सुख समृद्धि एवं विश्व कल्याण की प्रार्थना की।

केदारनाथ पहुंचने पर हेलीपैड में बीकेटीसी ने राज्यपाल का स्वागत किया। इसके बाद वह बदरीनाथ धाम पुहंचे जहां उन्होंने भगवान बदरीविशाल की पूजा की। ओडिशा के राज्यपाल रघुबर दास ने सोमवार को सपरिवार भगवान केदारनाथ धाम पहुंचकर बाबा केदार के दर्शन किए।

ओडिशा के राज्यपाल सुबह 8 बजे हेलीकाप्टर से केदारनाथ धाम पहुंचे, जहां हेलीपैड पर बदरी केदार मंदिर समिति एवं तीर्थ पुरोहितों ने राज्यपाल की अगवानी कर स्वागत किया। उड़ीसा के राज्यपाल रघुबर दास ने सोमवार को अपने परिवार के साथ भगवान बदरीनाथ और केदारनाथ के दर्शन किए। राज्यपाल रघुवर दास सोमवार को 9.30 बदरीनाथ धाम दर्शन को पहुंचे। कुछ देर मंदिर समिति कार्यालय सभागार में रूकने के पश्चात भगवान बदरी विशाल के दर्शन किये। (एजेंसी)

बासर नहर में पानी न चलने से बढ़ी किसानों की चिंता

नई टिहरी : भिलंगना ब्लॉक की बासर सिंचाई नहर में पानी न चलने से क्षेत्र के कई गांवों के काश्तकारों की सिंचित भूमि बंजर होने की कागार पर है। इस बार काश्तकारों के सामने धान की रोपाई करने की चुनौती है। भाजपा मंडल महामंत्री प्रदीप जोशी के नेतृत्व में ग्रामीणों ने जिलाधिकारी मयूर दीक्षित को ज्ञापन भेजकर बासर सिंचाई नहर में पानी चलाने की मांग की हैं। बताया कि नहर में पानी नहीं चलने से लोगों को धान के क्यारियों और रोपाई करने में दिक्कत आ रही है। बताया कि वर्ष 2023-24 में इस नहर को सुचारू करने के लिए करोड़ों का बजट सिंचाई विभाग को दिया गया था। लेकिन स्थानीय ठेकेदारों ने बजट को ठिकाने लगाने का कार्य किया गया। ठेकेदार और जनप्रतिनिधियों की मिलीभगत से सरकारी बजट की केवल लीपापोती की गई है। ग्रामीणों ने डीएम से सिंचाई नहर की जांच करने की मांग और ग्रामीण काश्तकारों को क्षतिपूर्ति राशि देने मांग की हैं।

भाजपा करेगी 21 जून से मंडलस्तर पर जनसहभागिता कार्यक्रम शुरू

देहरादून। उत्तराखंड में लोकसभा चुनाव की सफलता के बाद भाजपा अब मंडलस्तर पर जन सहभागिता कार्यक्रम शुरू करने जा रही है। पार्टी प्रदेश पदाधिकारियों और जनप्रतिनिधियों को इसकी जिम्मेदारी सौंप दी है।

भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट को 21 जून से इसकी शुरूआत करने के निर्देश दिए हैं। भाजपा प्रदेश मीडिया प्रभारी मनवीर चौहान ने बताया कि मंडलों के बूथ स्तर पर ये कार्यक्रम किए जाएंगे। इसकी शुरूआत योग दिवस से शुरू होगी। इस दिन प्रत्येक मंडल में कार्यकर्ता एक-एक जबकि मोर्चे एवं प्रकोष्ठ जिला स्तर पर एक-एक योग शिविर आयोजित करेंगे। इन कार्यक्रमों में समाज में प्रभुत्व रखने वाले व्यक्तियों, कलाकारों, खेल जगत के व्यक्तियों को शामिल किया जाएगा।

मुखर्जी की स्मृति पर व्याख्यान : चौहान ने बताया कि डा.श्यामा प्रसाद मुखर्जी का 23 जून को स्मृति दिवस एवं 6 जुलाई को जयंती के अवसर पर बूथ स्तर पर कार्यक्रम किए जाएंगे। बूथों पर स्व. मुखर्जी के चित्र पर पुष्पांजलि, सार्वजनिक स्थान पर उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण और उनके विचार,त्याग एवं बलिदार पर व्याख्यान होंगे।सभी बूथों पर मां के नाम से वृक्षारोपणः भाजपा 23 जून से 16 जुलाई तक प्रदेशभर में बड़े स्तर पर हरेला पर्व मनाएगी। सभी बूथों पर एक पेड़ मां के नाम से वृक्षारोपण कर मनाया जाएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पांच जून को विश्व पर्यावरण दिवस के मौके पर दिल्ली के बुद्ध जयंती पार्क में पीपल का पेड़ लगाकर इस अभियान की शुरूआत कर चुके हैं। इस अभियान में "स्वच्छ भारत, स्वस्थ भारत के लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए तालाब, कुंआ एवं अन्य जल बहाव, जल स्त्रोतो में प्लास्टिक रहित अभियान भी चलाया जाएगा। 25 जून को प्रदेशभर में गोष्ठियां : भाजपा 25 जून को आपातकाल की तारीक को काला दिवस के रूप में मनाएगी। इस दिन सभी जिलों में विचार गोष्ठियां और प्रेस कान्फ्रेंस की जाएंगी। इसके साथ ही मीसा बंदियों से संपर्क कर उन्हें सम्मानित किया जाएगा। वहीं 30 जून को बूथ स्तर पर प्रधानमंत्री मोदी के मन की बात को सुनेंगे।इन्हें सौंपी जिम्मेदारी : प्रदेश अध्यक्ष भट्ट ने योग दिवस के कार्यक्रमों के लिए प्रदेश महामंत्री राजेंद्र बिष्ट को संयोजक जबकि रमेश चौहान और विजय भट्ट को सह संयोजक बनाया है। डा.मुखर्जी एवं हरेला पर्व के कार्यक्रमों को लेकर प्रदेश महामंत्री आदित्य कोठारी संयोजक व कैलाश शर्मा, जोगिंदर पुंडीर सौरभ भूषण, गीता रावत व विवेक दीप सिंह को सह संयोजक की जिम्मेदारी सौंपी है।

छिद्दरवाला में शराब की दुकान खोलने के विरोध में प्रदर्शन

ऋषिकेश। छिद्दरवाला में सोमवार को शराब की दुकान खोलने के विरोध में ग्रामीण सड़क पर उतर आए। उन्होंने क्षेत्र में धरना प्रदर्शन किया और प्रशासन से शराब की दुकान की अनुमति निरस्त करने की मांग की। छिदरवाला क्षेत्र में अंग्रेजी शराब की दुकान के समक्ष ग्रामीणों ने अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन शुरू कर दिया। ग्राम प्रधान चकजोगीवाला भगवान सिंह मेहर ने कहा कि शराब की दुकान गलत जगह पर खोली जा रही है। यह दुकान छिदरवाला के जीआईसी स्कूल से कुछ ही दूरी पर है। यहां पास ही हाथी कोरिडोर भी है। ग्रामीणों ने सरकार पर आरोप लगाया कि पहले जनभावना को ध्यान में रखते हुए शराब के ठेके को निरस्त कर दिया गया था, लेकिन अब फिर से छिदरवाला में शराब का ठेका खोल दिया गया है। सरकार को जनभावनाओं का सम्मान करते हुए इस ठेके को तुरंत बंद करना चाहिए। उन्होंने चेतावनी दी है कि यदि उनकी मांगें नहीं मानी गईं तो वे अपना आंदोलन और तेज करेंगे। मौके पर मोहर सिंह असवाल, मनोहर लाल सेमवाल, जागीर सिंह, विजय सिंह रावत, कलम सिंह चौहान, माया देवी, सुलोचना, अमिता कौर, गीता, बबली देवी, समा पंवार, कंचन आदि मौजूद रहे।

दून के अभिषेक बने स्टेट स्नूकर चैंपियन

देहरादून। देवभूमि बिलियर्ड एवं स्नूकर एसोसिएशन की ओर से आयोजित विट्टोरे बाय एजीवी 11वी उत्तराखंड स्टेट रैंकिंग बिलियर्ड एवं स्नूकर चैंपियनशिप में दून के अभिषेक बछेती स्नूकर चैंपियन बने। सोमवार को दून क्लब में खेले गए फाइनल में उन्होंने रामनगर के शैलेंद्र डंगवाल को 4-2 के अंतर से शिकस्त दी। इससे पूर्व पहले सेमीफाइनल में रामनगर के शैलेंद्र डंगवाल ने देहरादून के असीम अहमद को एक तरफा मुकाबले में 04-0 से हराया। जिसमें उन्होंने 93 अंकों का चैंपियनशिप का सबसे बड़ा ब्रेक भी लगाया। दूसरे सेमीफाइनल में देहरादून के अभिषेक बछेती ने देहरादून के ही अभिषेक राणा को 04-2 के अंतर से शिकस्त दी। मुख्य अतिथि जिला अध्यक्ष भाजपा ऊधमसिंहनगर कमल कुमार जिंदल, जिला अध्यक्ष भाजपा नैनीताल प्रताप बिष्ट, वरिष्ठ नेता महेंद्र नेगी, उत्तराखंड से भाजपा के लोकसभा प्रभारी विवेक सक्सेना, देहरादून क्लब के प्रधान सुनीत मेहरा, खेल संयोजक विशाल वोहरा ने विजेताओं को पुरस्कृत किया।

राजधानी में हत्या, कांग्रेस ने कानून व्यवस्था पर उठाए सवाल

देहरादून। राजधानी देहरादून में हुई हत्या, गोलीबारी की घटना पर कांग्रेस ने सवाल उठाए। सोमवार को बयान जारी कर पुलिस प्रशासन की भूमिका को कठघरे में खड़ा करते हुए कांग्रेस प्रवक्ता शीशपाल बिष्ट ने इसे सिस्टम की नाकामी बताया। कांग्रेस प्रवक्ता ने कहा कि कानून व्यवस्था नाम की कोई चीज नहीं है।

कांग्रेस लंबे समय से बिगड़ती कानून व्यवस्था पर सवाल उठा रही है। उसके बाद भी कोई तवज्जो नहीं दी जा रही है। बेखौफ अपराधी राजधानी देहरादून में रायपुर डोभालवाला चौक में मामूली लेनदेन के विवाद में तीन लोगों को खुलेआम गोलियां मार देते हैं। एक युवक की जान तक चली जाती है। अपराधी खुलेआम घूम रहे हैं। पुलिस प्रशासन आंख मूंदे तमाशा देख रही है। कहा कि राज्य में बिगड़ती कानून व्यवस्था से जुड़ा यह कोई पहला मामला नहीं है। हर दूसरे दिन प्रदेश में हत्या, लूट, डकैती, महिला अपराध से जुड़ा कोई न कोई मामला सामने आ रहा है। नानकमत्ता गुरुद्वारे के बाबा तरसेम सिंह की हत्या हो जाती है। सचिवालय के पास में रिलायंस ज्वैलरी शोरूम में 20 करोड़ की डकैती हो जाती है। महिला अपराधों की बढ़ती घटनाओं के कारण आज महिलाएं और बेटियां घर से निकलने में घबरा रही हैं। सरकार को इसकी कोई फिक्र नहीं है।

बदरीनाथ से लखपत, मंगलौर में काजी होंगे कांग्रेस प्रत्याशी

देहरादून। विधानसभा उपचुनाव को लेकर कांग्रेस ने प्रत्याशियों की घोषणा कर दी है। बदरीनाथ सीट से लखपत बुटोला और मंगलौर सीट से काजी निजामुद्दीन को प्रत्याशी घोषित किया गया है। कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल ने विधानसभा उपचुनाव में प्रत्याशियों की घोषणा की। भाजपा ने 13 जून को दोनों सीटों के लिए अपने प्रत्याशियों की घोषणा कर दी थी। बदरीनाथ में कांग्रेस से भाजपा में आए राजेंद्र भंडारी और मंगलौर में करतार सिंह भड़ाना को प्रत्याशी घोषित किया था। कांग्रेस दोनों सीटों पर जीत का दावा कर रही है। लखपत बुटोला पूर्व में जिला पंचायत सदस्य और जिला पंचायत उपाध्यक्ष भी रह चुके हैं। कांग्रेस में प्रवक्ता पद से लेकर संगठन में कई पदों पर रह चुके हैं। काजी निजामुद्दीन राष्ट्रीय सचिव रह चुके हैं। पूर्व में भी वे भी मंगलौर सीट से विधायक रह चुके हैं। उनकी गिनती कांग्रेस के तेज तर्रार नेताओं में की जाती है।

कांग्रेस अध्यक्ष करन माहरा ने कहा कि पार्टी उपचुनाव को बेहद मजबूती के साथ लड़ेगी। दोनों सीटों को बड़े अंतर के साथ जीतेगी। बदरीनाथ की जनता ने 2022 के चुनाव में वोट कांग्रेस को दिया था। कांग्रेस से चुनाव जीत कर राजेंद्र भंडारी ने भाजपा ज्वाइन कर बदरीनाथ की जनता के साथ विश्वासघात किया है। उनके वोट का मूल्य नहीं समझा। अब वही जनता उपचुनाव में भाजपा को सबक सिखाएगी। कांग्रेस दोनों सीटों पर एकजुट होकर चुनाव लड़ेगी।

बकरीद पर खुदा की बारगाह में झुके सिर, देश में अमन-चैन की दुआ मांगी

ऋषिकेश। ऋषिकेश और डोईवाला में बकरीद धूमधाम से मनाई गई। बकरीद पर खुदा की बारगाह में सिर झुकाकर देश में अमन-चैन की दुआ मांगी गई। इसके बाद मुस्लिम समुदाय के लोगों ने एक-दूसरे के गले मिलकर ईद की मुबारकबाद दी। वहीं सुरक्षा के मद्देनजर ईदगाह और मस्जिदों के बाहर पुलिस और पीएसी के जवान तैनात रहे। ईद-उल-अजहा की नमाज सुबह सात बजे से विभिन्न मस्जिदों, ईदगाहों और मदरसों में अदा की गई। ऋषिकेश में मुस्लिम समुदाय के लोगों ने घरों में रहकर नमाज अदा की। कुछ लोग नमाज अदा करने के लिए डोईवाला और हरिद्वार गए। वहीं डोईवाला, भानियावाला, लिस्ट्राबाद, भोगपुर, जौलीग्रांट, तेल्लीवाला, बुल्लावाला, कुड़कावाला में मुस्लिम समुदाय के लोगों ने बकरीद पर नमाज अदा कर देश में अमन चैन की दुआ मांगी। पूर्व प्रधान अब्दुल रज्जाक ने कहा कि पैगंबर हजरत इब्राहिम से ही कुर्बानी देने की प्रथा शुरू हुई थी। अल्लाह ने एक बार पैगंबर इब्राहिम से कहा था कि वह अपने प्यार और विश्वास को साबित करने के लिए सबसे प्यारी चीज का त्याग करें और इसलिए पैगंबर इब्राहिम ने अपने इकलौते बेटे की कुर्बानी देने का फैसला किया था। जब पैगंबर इब्राहिम अपने बेटे की कुर्बानी करने वाले थे। उसी वक्त अल्लाह ने अपने दूत को भेजकर बेटे को एक बकरे से बदल दिया था।

जयन्त
संस्थापक
स्व.नरेन्द्र उनियाल
प्रकाशक,मुद्रक और स्वामी
नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस से मुद्रित तथा बद्रीनाथ मार्ग कोटद्वार (गढ़वाल) से प्रकाशित
-सम्पादक
नागेन्द्र उनियाल
आर.एन.आई. 35469/79
फोन/फैक्स 01382-222383
मो. 8445596074, 9412081969
e-mail:
nagendra.uniyal@gmail.com